श्रावण कृष्ण - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 344 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 14-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 चुनाव आयोग के दावे पर तेजस्वी ने उठाया सवाल

6 भूगर्भ में अंगड़ाई लेती नदी के नए प्रमाण

7 हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर अजय देवगन ने तोड़ी चुप्पी

फर्स्ट टेक

मानसून सत्र की रणनीति पर सोनिया गांधी ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई है। पार्टी सुत्रों के अनुसार, श्रीमती गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर बुलायी गयी इस बैठक में संसदीय दल के रणनीति समूह के सदस्य भाग लेंगे। बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी द्वारा अपनायी जानेवाली रणनीति और इसमें उठाए जाने वाले मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

स्टालिन ने पत्र लिख श्रीलंका से गिरफ्तार सात मछुआरों का मुद्दा उठाया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर श्रीलंका द्वारा सात मछुआरों की गिरफ्तारी की जानकारी दी और उनकी रिहाई के लिए कदम उठाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने केंद्र से कहा कि वर्तमान में तमिलनाडु की 232 मछली पकड़ने वाली नौकाएं और 50 मछुआरे श्रीलंकाई अधिकारियों के कब्जे में हैं। उन्होंने केंद्र से मछुआरों और उनकी नौकाओं को छुड़ाने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान किया।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तीन जिलों से सुरक्षाबलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के दो सक्रिय कैडरों को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले के लाइकहोंग से पकड़ा गया, जबकि कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को शुक्रवार को बिष्णुपुर के ट्रोंग्लाओबी से गिरफ्तार किया गया।

यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी ने दो रूसी एजेंट को मारने का दावा किया

कीव/एपी। यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी ने रविवार को कहा कि उसने राजधानी कीव में उसके एक वरिष्ठ अधिकारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में संदिग्ध दो रूसी एजेंट का पता लगाकर उन्हें मार गिराया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तारी से बचने का प्रयास करने पर संदिग्ध रूसी एजेंट को कीव क्षेत्र में मार गिराया गया। एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में दो शव जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं। एजेंसी ने पहले कहा था कि एक पुरुष और एक महिला पर सुरक्षा एजेंसी के कर्नल इवान वोरोनिच की बृहस्पतिवार को हुई हत्या में शामिल होने का संदेह है।

सूर्यास्त 13-07-2025	सूर्योदय 14-07-2025
6:39 बजे	5:50 बजे

BSE	NSE
82,500.47	25,149.85
(-689.81)	(-205.40)

सोना	चांदी
10,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीपापोती

पायलट की ग़लती बतलाना,
सोची समझी साजिश होती।
सिस्टम की गड़बड़ कहने पर,
कंपनी लॉस भारी ढोती।
जो मरे सिर्फ वो ही दोषी,
अस्मिता उन्हीं की ही खोती।
सरकारी जांचों में हरदम,
होती है बस लीपापोती।।

अपने 18 दिनों के प्रवास के समापन पर अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने कहा

अंतरिक्ष से महत्वाकांक्षाओं से भरा और निडर दिखता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ एक्सिओम-4 मिशन आज आईएसएस से अलग हो जाएगा और कल कैलिफोर्निया तट पर इसके उतरने की उम्मीद है।

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने 18 दिनों के प्रवास के समापन पर कहा कि भारत अंतरिक्ष से महत्वाकांक्षा, निडरता, आत्मविश्वास और गर्व से भरा नजर आता है।

शुक्ला ने भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के 1984 में कहे शब्दों को दोहराते हुए कहा, ''आज भी भारत ऊपर से 'सारे जहां से अच्छा' दिखता है।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'एक्सिओम-4' मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए आयोजित विदाई समारोह में यह टिप्पणी की।

शुक्ला ने आईएसएस में अपने प्रवास का जिक्र करते हुए कहा, ''यह मुझे जादुई सा लगता है... यह मेरे लिए एक शानदार यात्रा रही है।'' शुक्ला 26 जून को आईएसएस पहुंचे थे।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि वह अपने साथ बहुत सारी यादें और सीख लेकर जा रहे हैं, जिन्हें वह अपने देशवासियों के साथ साझा करेंगे। आईएसएस पर 18 दिन के गहन वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद शुभांशु शुक्ला और 'एक्सिओम-4' मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की विदाई का समय आ गया है और वे सोमवार को पृथ्वी के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेंगे।

एक्सिओम-4 मिशन सोमवार को आईएसएस से अलग हो जाएगा और मंगलवार को कैलिफोर्निया तट पर इसके उतरने की उम्मीद है।

मिशन पायलट शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री-कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड एवं हंगरी के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और टिबोर कापू, 'एक्सिओम-4 मिशन' के तहत अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे।

ट्रेनों में सुरक्षा बढाने के लिए

डिब्बों तथा ईंजनों में लगाए जाएंगे कैमरे

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे ने ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यात्रियों की सुरक्षा बढाने के उद्देश्य से सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएंगे प्रत्येक डिब्बे में चार सीसीटीवी कैमरे और इंजनों में छह कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे अत्याधुनिक होंगे और 100 किमी प्रति घंटे से भी अधिक रफ्तार में तथा कम रोशनी में भी उच्च गुणवत्ता वाली सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करायेंगे। रेलवे के अनुसार यात्री डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रायोगिक परिणाम के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। कैमरों के लगने के बाद अपराधी और संगठित गिरोह की गतिविधियों पर लगाम लगेगी जो भोले-भाले यात्रियों का फायदा उठाते हैं। यात्रियों की निजता को कायम रखने के लिए कैमरे दरवाजों के पास सामान्य आवागमन क्षेत्र में लगाए जाएँगे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को एक बैठक में इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा की है।

तमिलनाडु में डीजल ले जा रही मालगाड़ी में आग लगने से 18 डिब्बे जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुवल्लूर के निकट डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में रविवार सुबह आग लग गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। तिरुवल्लूर में रविवार को डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में आग लग गई जिससे 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए, जबकि चेन्नई-आरक्कोनम खंड पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। दक्षिणी रेलवे ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन यात्रियों को काफी असुविधा हुई। स्थिति को देखते हुए राज्य परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बसें चलाईं। दक्षिणी रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, डीजल ले जा रही मालगाड़ी के कुछ मध्यवर्ती डिब्बों में लगभग साढ़े पांच बजे तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन को पार करते समय आग लग गई तथा कई अन्य डिब्बे (इंजन से तीसरे डिब्बे के बाद) पटरी से उतर गए। विज्ञप्ति के अनुसार, मालगाड़ी के 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए।

बिहार में मतदाता सूची के

गहन पुनरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में नेपाली और बांग्लादेशी मिले : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि घर-घर जाकर की गई जांच के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों को "बड़ी संख्या में" नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच की और इस दौरान ''बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार'' के लोग मिले हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक अगस्त के बाद ऐसे लोगों की समुचित जांच की जाएगी और 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि घर-घर जाकर की गई जांच के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों को ''बड़ी संख्या में'' नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

बिहार में इस साल चुनाव होने वाले हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं।

बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर निर्वाचन आयोग का यह कदम महत्वपूर्ण है।

बिहार में गहन पुनरीक्षण के चौथे चरण में मतदाता सूची का प्रारूप एक अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा। सूची में वे सभी मतदाता शामिल होंगे जिनके फार्म समय सीमा तक प्राप्त हो गए हैं। जिन नामों के लिए 25 जुलाई से पहले कोई गणना प्रपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, वे मसौदा सूची में नहीं दिखाई देंगे।

निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी संविधान के अनुच्छेद 326 में निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर फॉर्मों की जांच करेंगे।

पाप करने वाले लोग अब बन रहे है साधु : गजेन्द्र सिंह शेखावत

छात्रसंघ चुनाव को लेकर कांग्रेस पर किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ यही कांग्रेस थी, जिसने 13 साल तक पंचायती राज का चुनाव नहीं होने दिया।

जोधपुर/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने छात्रसंघ चुनाव को लेकर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा है कि वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी हार को टालने के प्रयास में छात्रसंघ चुनाव को रोकने का पाप करने वाले लोग अब यहां पर साधु बन रहे हैं।

शेखावत ने रविवार को यहां मीडिया से चर्चा में कांग्रेस की छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग से जुड़े प्रश्न पर यह बात कही। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले अपनी तय हार को टालने के लिए, कहीं गलत नैरेटिव न बन जाए, छात्रसंघ चुनाव को रोकने का पाप किसने किया था। वह पाप करने वाले लोग अब यहां पर साधु बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उनको दूसरों पर पत्थर नहीं उछलना चाहिए।

उन्होंने कहा मैंने फलौदी में एक दिन पहले भी यह बात कही थी कि कुछ लोगों को कानून, संविधान...सब, जब वो सत्ता से बाहर होते, तब याद आते हैं। अपनी अनुकूलता के आधार पर नियमों को तय और व्याख्या करते हैं। उनकी प्रासंगिकता के ऊपर चर्चा करते हैं। शेखावत ने कहा कि वह अशोक गहलोत का एक ट्वीट देख रहे थे, उसमें उन्होंने लिखा था कि पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनाव हर पांच साल में होने चाहिए, संविधान के प्रदत्त यह व्यवस्था है। ऐसा न करके भाजपा सरकार संविधान की व्यवस्थाओं के अनुरूप काम नहीं कर रही है। इसके समर्थन में उन्होंने उच्चतम न्यायालय के कुछ निर्णयों को भी अंकित किया। उन्होंने कहा मेरा प्रश्न उनसे यह है कि यही कांग्रेस थी, जिसने 13 साल तक पंचायती राज का चुनाव नहीं होने दिया।

सिंगापुर के साथ द्विपक्षीय पहलों में प्रगति से खुश हूं : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि वह सिंगापुर के साथ विभिन्न द्विपक्षीय पहलों में ''लगातार प्रगति देखकर प्रसन्न हैं''। उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गैन किम योंग से मुलाकात की। जयशंकर सिंगापुर और चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, उप प्रधानमंत्री गैन किम योंग से मिलकर अच्छा लगा। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें विभिन्न द्विपक्षीय पहलों में लगातार प्रगति देखकर खुशी हुई।

जयशंकर ने यह भी कहा कि वह तीसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

इससे पहले, जयशंकर ने अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और कहा, सिंगापुर हमारी 'एक्ट ईस्ट' नीति के केंद्र में है। वहां विचारों का आदान-प्रदान करना हमेशा उपयोगी होता है।

बैठक के बारे में पोस्ट करते हुए बालाकृष्णन ने कहा, जैसे-जैसे विश्व बहुध्रुवीयता की ओर अग्रसर हो रहा है, भारत अवसर के इन प्रमुख ध्रुवों में से एक के रूप में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि मंत्री चौहान ने राज्यों से नकली उर्वरकों की बिक्री पर रोक लगाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नकली और घटिया उर्वरकों की बिक्री के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में चौहान ने उनसे उर्वरक उत्पादन और बिक्री की नियमित निगरानी करने के साथ-साथ नकली और घटिया उत्पादों के नमूने लेने और परीक्षण करने को कहा है। उन्होंने कहा, पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो-उर्वरकों पर जबरन टैगिंग तुरंत बंद की जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोषियों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने और एफआईआर दर्ज करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों और कृषक समूहों को निगरानी प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रतिक्रिया और सूचना प्रणालियां विकसित करें और किसानों को असली-नकली उत्पादों की पहचान करने के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष प्रयास करें।

सीतारमण ने 'लिविंग रूट ब्रिज' के लिए यूनेस्को की मान्यता के प्रयासों का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के 'लिविंग रूट ब्रिज' को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने के प्रयासों के प्रति पुरजोर समर्थन व्यक्त किया है।

सीतारमण ने मान्यता के लिए नामांकन को बहाल करने और सामुदायिक सहभागिता एवं अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से प्रस्ताव को मजबूत करने के लिए हाल में जमीनी स्तर पर हुई प्रगति की सराहना की।

'लिविंग रूट ब्रिज' ऐसा पुल होता है, जो पेड़ों की जड़ों से तैयार किया गया जाता है।

सीतारमण ने कहा कि वैश्विक मान्यता न केवल पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करेगी, बल्कि दूसरों को स्थानीय ज्ञान पर आधारित स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए भी प्रेरित करेगी। शनिवार को सीज गांव में 'लिविंग रूट ब्रिज' की यात्रा के दौरान उन्होंने कहा, मान्यता दिखावे के लिए नहीं, बल्कि दुनिया को यह दिखाने के लिए है कि आपने यह काम पहले किया था।

एआई विमान दुर्घटना : पायलट की भूमिका पर निष्कर्ष जल्दबाजी : पूर्व एएआईबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एएआईबी के पूर्व प्रमुख अरबिंदो हांडा ने रविवार को कहा कि पिछले महीने अहमदाबाद में एअर इंडिया (एआई) के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जुड़ी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर पायलट की भूमिका के बारे में निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि अंतिम रिपोर्ट में दुर्घटना के सर्वाधिक संभावित कारण का उल्लेख होगा।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा एयर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करने के एक दिन बाद हांडा ने कहा, ''हमें एएआईबी को निष्पक्ष, पक्षपात रहित और पारदर्शी तरीके से जांच पूरी करने की अनुमति देनी चाहिए।'' हांडा ने 2020 में कोझिकोड में हुई एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान दुर्घटना सहित 100 से अधिक विमान दुर्घटनाओं की जांच की है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''एएआईबी ने अच्छा काम किया है। आगे बढ़ते हुए, वे अब यह पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे कि ये ईंधन स्विच क्यों और कैसे हिले और क्या कोई यांत्रिक और/या विद्युत विफलता/खराबी हो सकती है।''

शनिवार को जारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटनाग्रस्त 'बोइंग 787-8' विमान के इंजनों के ईंधन स्विच एक सेकंड के अंतराल में बंद हो गए थे और बाद में चालू हो गए। कॉकपिट की वॉयस रिकॉर्डिंग में, एक पायलट

दूसरे से पूछता सुनाई देता है कि उसने स्विच क्यों बंद किया और दूसरा पायलट कहता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि किस पायलट ने सवाल पूछा और किस पायलट ने जवाब दिया। उड़ान की कमान सह-पायलट के पास थी और 'पायलट इन कमांड' (पीआईसी) उड़ान के दौरान पायलट की निगरानी कर रहे थे।

हांडा ने कहा, ''एअर इंडिया की उड़ान संख्या 171 पर एएआईबी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना, जिसमें किसी एक पायलट की भूमिका भी शामिल है, जल्दबाजी होगी... हमें एएआईबी को निष्पक्ष, पक्षपात रहित और पारदर्शी तरीके से जांच पूरी करने देनी चाहिए।'' पायलट इन कमांड (पीआईसी) 56 वर्षीय कैप्टन सुमीत सभरवाल थे और सह-पायलट के रूप में 'फर्स्ट ऑफिसर' 32 वर्षीय क्लाइव कुंदर थे। सभरवाल का बोइंग 787 के साथ उड़ान अनुभव 8,596 घंटों से अधिक का था, जिसमें पीआईसी के रूप में 8,260 घंटे शामिल हैं।

इसी तरह कुंदर का इस तरह के विमान के साथ उड़ान अनुभव 1,128 घंटे का था। उड़ान के दौरान विमान की कमान कुंदर के पास थी, जबकि सभरवाल लगभग 12 साल पुराने बोइंग 787-8 विमान से संचालित इस उड़ान के दौरान पायलट की निगरानी कर रहे थे। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पायलट ने उड़ान भरने से पहले पर्याप्त आराम किया था। हांडा ने कहा, ''कुछ जगहों पर खासकर विदेशी मीडिया में, यह संकेत देने की कोशिश की जा रही है कि किसी एक पायलट की गलती हो सकती है। एक बार फिर, मैं विमानन क्षेत्र के अपने अनुभवी लोगों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे किसी भी तरह की अटकलों से बचें। अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना 12 साल पुराना बोइंग 787-8 विमान गत 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद एक इमारत से टकरा गया और 260 लोगों की मौत हो गई। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक ही जीवित बचा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट की भूमिका के बारे में किसी भी निष्कर्ष पर तुरंत नहीं पहुंचना चाहिए और अंतिम जांच रिपोर्ट तैयार करने से पहले कई पहलुओं पर गौर करने की आवश्यकता है।

एआई171 उड़ान के चालक दल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जिम्मेदारी से काम किया : पायलट एसोसिएशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। 'इंडियन कॉमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन' (आईसीपीए) ने रविवार को कहा कि पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एआई171 उड़ान के चालक दल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने प्रशिक्षण और जिम्मेदारियों के अनुरूप काम किया तथा पायलटों को अटकलों के आधार पर बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।

एसोसिएशन ने कुछ हलकों में पायलट के आत्महत्या करने संबंधी अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जब तक आधिकारिक जांच पूरी नहीं हो जाती और अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, कोई भी अटकलबाजी अस्वीकार्य है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। 'एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' ने भी एअर इंडिया विमान दुर्घटना की निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच की मांग करते हुए दावा किया था कि हादसे की जांच की शैली और दिशा पायलट की गलती की ओर संकेत करने वाला पूर्वाग्रह है। आईसीपीए टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया में 'नैरो बॉडी' वाले विमान बेड़े के पायलटों का संगठन है। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने 12 जून को बोइंग 787-8 विमान हादसे की अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कुल 260 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि एअर इंडिया के विमान के अहमदाबाद से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होने से कुछ सेकंड पहले, इसके दोनों इंजनों के ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। पंद्रह पन्ने की रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉकपिट की आवाज रिकॉर्डिंग में एक पायलट दूसरे से पूछता सुनाई देता है कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, जिस पर दूसरा पायलट ईंधन बंद करने से इनकार करता है।

पंजाब भाजपा के नये कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री मान पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की टिप्पणी के लिए रविवार को उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस तरह की भाषा का मान ने इस्तेमाल किया है, वह उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''पिछले तीन साल से राज्य में सरकार नहीं, बल्कि सर्कस चल रहा है। मुख्यमंत्री को अपने शब्दों पर नियंत्रण नहीं है।''

शर्मा ने कार्यभार संभालने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री 'सड़क छाप' भाषा बोलेंगे तो उन्हें उसी भाषा में जवाब मिलेगा। पठानकोट के विधायक शर्मा ने कहा, ''हम जानते हैं कि विनम्र तरीके से कैसे बात करनी है, लेकिन अगर वह इसी तरह की भाषा बोलते हैं, तो उन्हें उसी भाषा में जवाब मिलेगा।''

कार्यभार संभालने के मौके पर पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, अन्य नेता मनोरंजन कालिया, परनीत कौर, अविनाश राय खन्ना, विजय सांपला, सोम प्रकाश, पूर्व मंत्री मनप्रीत बादल, तीक्ष्ण सूद, सुरजीत ज्याणी, राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी समेत पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि राजनीति में हर पार्टी, हर व्यक्ति अपने विचार जनता के सामने रखता है, लेकिन लड़ाई राजनीतिक विचारधाराओं की है, व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता या दुश्मनी की नहीं।

शर्मा ने मान की आलोचना करते हुए कहा कि ''ऐसी भाषा'' एक ऐसे व्यक्ति की ओर से आ रही है जो एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं और जिनके पिता शिक्षक रहे हैं। उन्होंने कहा कि मान जिस पद पर हैं, उन्हें ऐसी भाषा शोभा नहीं देती।

भारत को अपनी विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत को बनाए रखने की जरूरत : राम माधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजनीतिक विश्लेषक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राम माधव ने कहा है कि बदलती वैश्विक व्यवस्था के दौर में भारत को अपनी विदेश नीति के मद्देनजर 'डी-हाइफनेशन' और रणनीतिक स्वायत्तता जैसे दोहरे सिद्धांतों को मजबूती से बनाए रखना होगा, ताकि वह विभिन्न चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सके।

भाजपा के नेता राम माधव ने अपनी नई पुस्तक 'द न्यू वर्ल्ड : 21वीं सेंचुरी ग्लोबल ऑर्डर एंड इंडिया' में यह बात कही है। 'डी-हाइफनेशन' की नीति से अभिप्राय दो देशों के साथ स्वतंत्र रूप से व्यवहार करने की परिपाटी से है भले ही वे एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हों। माधव ने अपनी पुस्तक में दुनिया की महान शक्तियों के उत्थान और पतन तथा उनके द्वारा निर्मित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर लिखा है। उन्होंने वैश्विक प्रणाली के भीतर शक्ति संतुलन में भारत की उभरती भूमिका की भी कल्पना की है। माधव ने 2014 से 2020 तक भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और 2024 में जम्मू-कश्मीर चुनाव के पार्टी प्रभारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति व्यावहारिक होनी चाहिए और राष्ट्रीय हितों के साथ मिश्रित होनी चाहिए। माधव ने अपनी पुस्तक में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा विदेश नीति में अधिक यथार्थवादी सिद्धांतों को अपनाने की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। इसमें 'डी-हाइफनेशन' और 'रणनीतिक स्वायत्तता' जैसे सिद्धांतों को नई विदेश नीति की मुख्य धारा का हिस्सा बनाया गया है।

दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) और झिलमिल कॉलोनी इलाकों में सड़कों पर टूटे हुए कांच के टुकड़े बिखरे पाए जाने के बाद मामला दर्ज किया है। ये दोनों इलाके कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि पता लगाया जा सके कि कांच किसी क्षतिग्रस्त वाहन का था या बदमाशों ने जानबूझकर फेंका था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सीमापुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और विस्तृत जांच जारी है। यह घटना तब प्रकाश में आई, जब दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह मामला उठाया। उन्होंने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद क्षेत्र में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया और उन्होंने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फ्लाईओवर के पास तथा आसपास के कांवड़ शिविरों में गश्त की। शिविरों में से एक में विश्राम कर रहे कांवड़ यात्री रमन ने कहा कि अब तक यात्रा शांतिपूर्ण रही है। रमन ने कहा, '' सभी व्यवस्थाएं अच्छी हैं और हमें कोई समस्या नहीं है। हमने फ्लाईओवर पर कुछ कांच के टुकड़े देखे, लेकिन कई लोग रात में भी सड़कें साफ कर रहे थे।''

जम्मू-कश्मीर: उपराज्यपाल ने आतंकवाद के 40 पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारामूला में आतंकवाद के 40 पीड़ितों के परिजनों को रविवार को नियुक्ति पत्र सौंपे और दोहराया कि सरकार आतंकवाद पीड़ित परिवारों को नौकरी एवं न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने साथ ही कहा कि वे दिन अब चले गए जब आतंकवादियों के परिजनों को नौकरी मिलती थी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि सिन्हा ने आतंकवाद के 10 पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपकर अपना वादा 15 दिन में पूरा कर दिया।

उपराज्यपाल ने 29 जून को अनंतनाग में आतंकवाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि पीड़ितों के पात्र परिजनों को 30 दिन के भीतर नौकरी दी जाएगी। प्रवक्ता ने कहा, ''यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक हर आतंकवाद पीड़ित परिवार का पुनर्वास नहीं हो जाता।'' कार्यक्रम के दौरान उन लोगों ने अपने अनुभव साझा किए जिनके प्रियजन की आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और उनके समर्थकों की पोल खोली।

सिन्हा ने आतंकवाद पीड़ित परिवारों को न्याय, नौकरी, सम्मान और समर्थन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद पीड़ित परिवारों को त्याग दिया गया और भुला दिया गया तथा वे दशकों तक चुपचाप कष्ट सहते रहे। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए उनके प्रियजन की कहानियों को सामने लाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''इन परिवारों की सच्चाई जानबूझकर दबाई गई। कोई भी उनके आंसू पोंछने नहीं आया। सभी जानते थे कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी इन नृशंस हत्याओं में शामिल थे लेकिन किसी ने भी हजारों बुजुर्ग माता-पिता, पत्नियों, भाइयों या बहनों को न्याय नहीं दिलाया।'' उपराज्यपाल ने 'संघर्ष उद्यमियों' (अपने निहित स्वार्थ के लिए अशांति पैदा करने वाले लोगों) को कड़ी चेतावनी देते हुए उनसे देश की संप्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाला विमर्श नहीं फैलाने को कहा।

महाराष्ट्र जन सुरक्षा विधेयक शहरी नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई में सहायक होगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य विधानमंडल द्वारा हाल ही में पारित महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक, 2024, 'शहरी नक्सलवाद' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि विधेयक के खिलाफ बोलने वाले लोग ''एक तरह से वामपंथी उग्रवाद की विचारधारा को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस विधेयक ने किसी का भी विरोध करने या सरकार के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं छीना है। वामपंथी उग्रवादी संगठनों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में सात वर्ष तक की कैद, पांच लाख रुपए तक का जुर्माना और इसके तहत दर्ज अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती के रूप में वर्गीकृत करना शामिल है। सरकार ने इस विधेयक को बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा से और शुक्रवार को विधान परिषद से कराया था। राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही यह लागू हो जाएगा।

भाजपा विधायक सुमित वानखेड़े ने वर्धा जिले में गांधीवादी संस्थानों में शहरी नक्सलवाद द्वारा घुसपैठ करने का दावा किया था। इस संबंध में पूछे गए सवाल पर फडणवीस ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शहरी नक्सलवाद को बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया गया। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''जब माओवादियों को पता चला कि जंगलों में उनके कार्यकर्ताओं की संख्या कम हो रही है, तो उन्होंने रणनीतिक बदलाव किया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों या अन्य संगठनों में घुसपैठ कर वहां संवैधानिक शासन को खत्म करने और शहरी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अराजकता फैलाने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा, ''हम बंदूकों के साथ हमारे खिलाफ लड़ने वालों को देख सकते हैं, लेकिन ये शहरी (नक्सली) कैडर अदृश्य हैं और धीरे-धीरे हमारी व्यवस्था को भ्रष्ट कर रहे हैं। इसलिए, यह नया कानून शहरी नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने में हमारी मदद करेगा।'' फडणवीस ने महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक, 2024 को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें खुशी है कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों ने इसे पारित कर दिया है। उन्होंने कहा,''इस विधेयक को पेश करने में हम एक बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गुजरे हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''विधेयक को सभी दलों के नेताओं के समक्ष रखा गया और उसके हर खंड पर चर्चा की गई। हमने समिति (राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त प्रवर समिति) के सभी सुझावों को इसमें शामिल किया। समिति की रिपोर्ट पर एक भी असहमति का नोट नहीं था।'' फडणवीस ने कहा कि 12,000 सुझाव प्राप्त हुए थे जिन पर विचार किया गया और आवश्यक बदलाव किए गए तथा दोनों सदनों में चर्चा के बाद विधेयक को मंजूरी दी गई।

शिवराज ने काफिला रुकवाकर हादसे में घायल युवक को भिजवाया अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राजधानी भोपाल में अपना काफिला रुकवाकर सड़क हादसे में घायल एक युवक को अस्पताल भिजवाया और उसके इलाज की समुचित व्यवस्था कराई।

शिवराज के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री अवधपुरी क्षेत्र में जैन समाज के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहे थे तभी चेतक पुल पर भीड़ इकट्ठा देख उन्होंने अपना काफिला रुकवाया। इस दौरान उन्हें पता चला कि एक युवक हादसे में घायल हो गया है और सड़क किनारे पड़ा हुआ है।

बयान के मुताबिक, शिवराज ने अपने काफिले की गाड़ी से युवक को अस्पताल भिजवाया और साथ में अपनी टीम के एक अधिकारी को भी उसके साथ भेजा।

बयान में कहा गया, चौहान ने तत्काल नजदीक के अस्पताल के डॉक्टर से फोन पर बात की और घायल युवक का जल्द से जल्द इलाज करने के निर्देश दिए।

निर्वाचन आयोग हमेशा मोदी सरकार के हाथों की 'कठपुतली' रहा है: कपिल सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग हमेशा से मोदी सरकार के हाथों की ''कठपुतली'' रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक ''असंवैधानिक'' कदम है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बहुसंख्यकवादी सरकारें सत्ता में बनी रहें।

पूर्व कानून मंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में यह भी आरोप लगाया कि प्रत्येक निर्वाचन आयुक्त ''इस सरकार के साथ मिलीभगत करने'' में एक-दूसरे से आगे रहता है। बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग (ईसी) के पास नागरिकता के मुद्दों पर फैसला करने का अधिकार नहीं है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि 22 वर्षों के बाद हो रहे इस पुनरीक्षण से मतदाता सूची से अपात्र लोगों, 'डुप्लिकेट' प्रविष्टियों को हटाया जाएगा तथा कानून के अनुसार मतदान के पात्र लोगों को इसमें शामिल किया जाएगा।

एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग पर विपक्ष के हमले के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, ''जब से यह सरकार सत्ता में आई है, तब से यह (निर्वाचन आयोग) लंबे समय से सरकार के हाथों की कठपुतली रहा है।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के आचरण के बारे में जितना कम कहा जाए उतना ही बेहतर है। एसआईआर पर उन्होंने कहा, ''मेरे अनुसार यह पूरी तरह से असंवैधानिक प्रक्रिया है। आयोग के पास नागरिकता के मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है और वह भी एक ब्लॉक स्तर के अधिकारी

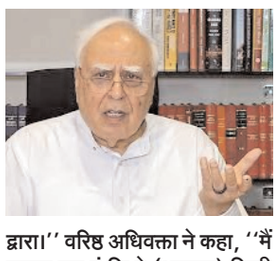

द्वारा।'' वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, ''मैं कहता रहा हूं कि वे (भाजपा) किसी भी तरह चुनाव जीतने के लिए हरसंभव हथकंडा अपनाते हैं। दरअसल, विशेष गहन पुनरीक्षण की यह पूरी प्रक्रिया आने वाले समय में बहुसंख्यकवादी सरकारों को बनाए रखने की प्रक्रिया है।'' उन्होंने कहा, ''यही मंशा है क्योंकि अगर आप गरीब लोगों, हाशिए पर पड़े लोगों, आदिवासियों के नाम हटा देंगे, तो आप यह सुनिश्चित कर देंगे कि बहुसंख्यकवादी पार्टी हमेशा जीते। इसलिए यह कवायद यही सुनिश्चित करने का एक और तरीका है तथा यह बहुत चिंताजनक है।''

सिब्बल ने कहा कि उन्होंने हमेशा कहा है कि उन्हें निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं है, क्योंकि इस संस्था ने वह स्वतंत्रता प्रदर्शित नहीं की है जिसकी उससे अपेक्षा की जाती है।

उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश पर सिब्बल ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह इस मामले में वकील हैं। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अदालत ने जो कुछ भी कहा है, निर्वाचन आयोग उसे ध्यान में रखेगा ताकि यह विवाद आगे न बढ़े।'' संसद के आगामी मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए सिब्बल ने कहा कि एसआईआर का मुद्दा आज चर्चा में आए किसी भी अन्य मुद्दे से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र का मुद्दा भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ''निर्वाचन आयोग अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि केवल उन्हीं निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में अचानक वृद्धि कैसे हुई, जहां भाजपा जीती है।'' आगामी मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर सिब्बल ने कहा कि ऐसे कई मुद्दे हैं लेकिन समस्या यह है कि ''वे हमें कभी समय नहीं देते हैं।'' सिब्बल ने कहा, ''वे कभी भी चर्चा की अनुमति नहीं देते हैं, चाहे वह विदेश नीति के बारे में हो या आतंकवादी गतिविधियों के जारी रहने के बारे में हो या अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत के अलग-थलग पड़ने के बारे में हो या 2014 के बाद से चार गुना बढ़ चुके भ्रष्टाचार के स्तर के बारे में हो या उन राज्यों के खिलाफ भेदभाव के बारे में हो जो केंद्र में सत्तारूढ़ राजनीतिक दल द्वारा शासित नहीं हैं या इस देश के संघीय ढांचे को धीरे-धीरे खत्म किये जाने के बारे हो।''

'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत देहरादून में अब तक 82 ढोंगी बाबा गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत देहरादून जिले में पुलिस ने रविवार को साधु-संतों के भेष में कथित रूप से लोगों को ठगने वाले 34 और बहरूपियों को गिरफ्तार किया । इसके साथ ही देहरादून जिले में अब तक इस अभियान के तहत 82 ढोंगी बाबाओं की गिरफ्तारी हो चुकी है।

देहरादून जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर बृहस्पतिवार को शुरू किए गए अभियान के तहत पुलिस ने अनेक टीमें गठित की हैं और ऐसे विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है जहां ढोंगी बाबाओं द्वारा धर्म की आड में लोगों की भावनाओं व आस्था से खिलवाड़ कर ठगी करने का प्रयास करने की सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को जिले भर में 34 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 23 अन्य राज्यों के रहने वाले हैं । सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों में जिले भर में ऐसे 82 बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है और इनके विरुद्ध भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है । एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार ढोंगी बाबाओं में से एक बांग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम भी है जिसे शुक्रवार को देहरादून जिले के सहसपुर क्षेत्र से पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि यह अभियान अभी जारी रहेगा । सिंह ने कहा कि इस समय प्रदेश में जारी चारधाम यात्रा तथा कांवड़ यात्रा का सहारा लेकर ढोंगी बाबा और सक्रिय हो गए हैं जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कालनेमि एक असुर था जिसका दोनों प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथों रामायण और महाभारत में उल्लेख है । रावण के मामा मारीच के पुत्र कालनेमि ने साधु का भेष धारण कर लक्ष्मण की मूर्छा को तोड़ने के लिए संजीवनी बूटी ला रहे हनुमान का रास्ता रोकने का प्रयास किया था । हालांकि, हनुमान उसकी असलियत समझ गए और उन्होंने उसका वध कर दिया था । महाभारत काल में कालनेमि का पुनर्जन्म कंस के रूप में हुआ जिसका संहार भगवान कृष्ण ने किया । अधिकारियों को इस अभियान की शुरूआत करने का निर्देश देते हुए बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने कहा था कि जिस प्रकार असुर कालनेमि ने साधु का भेष धारण कर भ्रमित करने का प्रयास किया था, वैसे ही आज समाज में कई 'कालनेमि' सक्रिय हैं जो धार्मिक भेष धारण कर अपराध कर रहे हैं।

डीजल ले जा रही मालगाड़ी में आग लगने से 18 डिब्बे जलकर खाक, रेल सेवा बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तरी तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में रविवार को डीजल ले जा रही एक मालगाड़ी में आग लग गई जिससे 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए, जबकि चेन्नई-आरक्कोनम खंड पर ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। दक्षिणी रेलवे ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन यात्रियों को काफी असुविधा हुई। स्थिति को देखते हुए राज्य परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बसें चलाईं। दक्षिणी रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, डीजल ले जा रही मालगाड़ी के कुछ मध्यवर्ती डिब्बों में लगभग साढ़े पांच बजे तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन को पार करते समय आग लग गई तथा कई अन्य डिब्बे (इंजन से तीसरे डिब्बे के बाद) पटरी से उतर गए। विज्ञप्ति के अनुसार, मालगाड़ी के 18 डिब्बे जलकर खाक हो गए।

मालगाड़ी चेन्नई हार्बर से वालाजा रोड साइडिंग (वालाजाबाद) जा रही थी। आग लगने से आसमान में घना धुआं फैल गया। घटना के बाद दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। राज्य के अल्पसंख्यक एवं प्रवासी तमिल कल्याण मंत्री एस एम नासर ने अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। आग और धुएं को देखते हुए घटनास्थल के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित आश्रयों में भेजा गया। रेल सेवाएं बाधित होने के कारण राज्य परिवहन निगमों ने 170 से अधिक विशेष बस सेवाएं संचालित कीं।

रेलवे ने बताया, तीसरे डिब्बे में आग लगने की सूचना मिलते ही लोको पायलट ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाए और तिरुवल्लूर स्टेशन मास्टर ने एहतियात के तौर पर 'ओवरहेड' बिजली आपूर्ति बंद कर दी। रेलवे ने कहा, हालांकि जब तक ट्रेन को पूरी तरह रोका गया, तब तक आग 19वें डिब्बे तक फैल चुकी थी। इसके परिणामस्वरूप चेन्नई को बेंगलूरु, केरल और रेनुगुंटा/तिरुपति से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण चेन्नई-अरक्कोनम खंड में ट्रेन संचालन को निलंबित करना पड़ा।

दक्षिण रेलवे की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ''चेन्नई सेंट्रल से चलने वाली या वहीं समाप्त होने वाली 11 मेल/एक्सप्रेस ट्रेन को रद्द कर दिया गया, जबकि कई अन्य ट्रेन के मार्ग को परिवर्तित किया गया या उनके गंतव्य स्थान से पहले ही रोक दिया गया है।'' रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अग्नि एवं बचाव सेवाओं के समन्वय में राहत और पुनर्स्थापन कार्यों की निगरानी की। एहतियात के तौर पर आस-पास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया, हालांकि किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रेलवे ने कहा, ''कुल 30 डिब्बों और इंजन को सुरक्षित रूप से हादसे वाली जगह से अलग कर दिया गया और इन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। 18 डिब्बे पूरी तरह जलकर खाक हो गए।'' एहतियाती उपाय के तौर पर चेन्नई-आरक्कोनम खंड में ईएमयू लोकल ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

इसके अलावा आठ एक्सप्रेस ट्रेन को रद्द कर दिया गया है और पांच अन्य ट्रेन के मार्ग बदल दिए गए हैं तथा आठ ट्रेन को उनके गंतव्य स्थान से पहले ही रोक दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

थिंडल मंदिर में एशिया की सबसे ऊंची मुरुगन प्रतिमा स्थापित की जाएगी : तमिलनाडु मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री पी के शेखरबाबू ने रविवार को घोषणा की कि 186 फुट ऊंची एशिया की सबसे बड़ी मुरुगन प्रतिमा इरोड के थिंडल मुरुगन मंदिर में स्थापित की जाएगी। शेखरबाबू राज्य के आवास एवं शहरी विकास मंत्री एस मुथुस्वामी के साथ इरोड से लगभग 7 किलोमीटर दूर थिंडल में वेलायुथसामी मंदिर पहुंचे और स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शेखरबाबू ने कहा कि राज्य के बजट सत्र के दौरान हाल ही में इस सीमेंट से बनी 30 करोड़ रुपये की लागत वाली विशाल प्रतिमा की घोषणा गई थी। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मंत्री ने कहा, यह एशिया की सबसे ऊंची मुरुगन प्रतिमा होगी।

शेखरबाबू ने यह भी बताया कि द्रमुक सरकार के चार साल के कार्यकाल में 124 मुरुगन मंदिर सहित कुल 3,225 मंदिरों में कुंभाभिषेक (प्राण प्रतिष्ठा समारोह) आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि सोमवार को राज्य भर के 46 और मंदिरों में कुंभाभिषेक होगा। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने मानव संसाधन एवं सामाजिक न्याय विभाग को अनुदान के रूप में 1,120 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं और दानदाताओं को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, अब तक हमें तमिलनाडु भर के श्रद्धालुओं से दान के रूप में 1,400 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

इसके अलावा, मुथुस्वामी ने घोषणा की कि थिंडल वेलायुथसामी मंदिर में दो कल्याण मंडप (विवाह मंडप) बनाए जाएंगे और थिंडल के सिवन मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का काम जल्द ही शुरू होगा। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य अंतियुर पी सेल्वराज, सांसद के ई प्रकाश, विधायक वी सी चंद्रकुमार, इरोड के महापौर नागरत्नम, मानव संसाधन एवं संवर्द्धन आयुक्त पी एन श्रीधर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केरल के राज्यपाल ने विवाद के बीच स्कूलों में 'गुरु पूजा' का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लोगों के एक वर्ग द्वारा की जाने वाली 'गुरु पूजा' की प्रथा का रविवार को पुरजोर तरीके से बचाव किया और कहा कि शिक्षकों के चरणों में पुष्प अर्पित करना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। राज्यपाल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में 'पद पूजा' (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की।

राज्यपाल ने अनुष्ठान को लेकर की गई आलोचना पर सवाल उठाया और पूछा, मुझे समझ नहीं आता कि ये लोग किस संस्कृति से आते हैं। राज्य सरकार ने इस रस्म को लेकर इन स्कूलों के प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा है। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शनिवार को उन खबरों पर आश्चर्य व्यक्त किया कि छात्रों से सेवानिवृत्त शिक्षकों के पैर धुलवाए गए। उन्होंने इस कृत्य को 'निंदनीय' और 'लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध' बताया।

राज्यपाल ने रविवार को बलरामपुरम में दक्षिणपंथी संगठन बालगोकुलम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''गुरु पूजा हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जहां हम अपने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं... लेकिन कुछ लोगों को इस पर आपत्ति है। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस संस्कृति से हैं?'' शिक्षकों के सम्मान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आर्लेकर ने कहा कि गुरु महान आत्माएं हैं और सम्मान के पात्र हैं। इस बीच, माकपा के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने इस अनुष्ठान की कड़ी आलोचना करते हुए इसे केरल के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताने-बाने को नष्ट करने के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कथित एजेंडे का हिस्सा बताया।

मंदिर लूट पर मुख्यमंत्री की चुप्पी सहमति दर्शाती है

एचआर एंड सीई संपत्तियों पर श्वेत पत्र की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को हिंदू मंदिरों की संपत्ति की लूट को रोकने के लिए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग के नियंत्रण में भूमि और संपत्तियों का विवरण देते हुए तुरंत एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। कॉलेजों के निर्माण के लिए मंदिर निधि के उपयोग को लेकर हुए हालिया विवाद ने मंदिर की संपत्तियों के प्रबंधन में डीआईएन सरकार की स्पष्टता और पारदर्शिता की कमी को उजागर कर दिया है।

जैसा कि तमिलनाडु में विपक्ष के नेता, एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने सही ही कहा है, 'सरकारी धन के बजाय मंदिर निधि का उपयोग करके कॉलेज क्यों बनाए जा रहे हैं? यह प्रश्न सरकार की गलत प्राथमिकताओं और मंदिर के संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में उसकी विफलता को उजागर करता है।' मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार इस कहानी को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है और दावा कर रही है कि पलानीस्वामी मंदिरों के धन का इस्तेमाल शिक्षा के लिए करने के खिलाफ हैं। हालाँकि, यह उनके रुख का घोर मिथ्या चित्रण है।

पलानीस्वामी का सवाल सरल लेकिन प्रासंगिक है: सरकारी धन का इस्तेमाल कॉलेजों के निर्माण के लिए क्यों नहीं किया जाता? यह सवाल इन संस्थानों के रखरखाव के लिए स्थायी वित्त पोषण की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज जैसे बुनियादी ढाँचे के निर्माण में भारी निवेश की आवश्यकता होती है, लेकिन उनके संचालन को बनाए रखने के लिए एक स्थिर वित्तीय स्रोत की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, एक सरकारी कला और विज्ञान महाविद्यालय को कर्मचारियों के वेतन, उपयोगिताओं और रखरखाव के लिए धन की आवश्यकता होती है। एक विश्वसनीय राजस्व स्रोत के बिना, एक भव्य इमारत भी बेकार हो जाएगी। मंदिरों द्वारा वित्तपोषित महाविद्यालयों से सरकारी सहायता के बिना कार्य करने की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है, खासकर जब वे निजी संस्थानों की तरह अत्यधिक शुल्क नहीं ले सकते। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ निधि (एचआर एंड सीई) विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों के पास विशाल भूमि और संपत्ति है।

यदि इन संपत्तियों को बाजार मूल्य पर पट्टे पर या किराए पर दिया जाए, तो आय का उपयोग मंदिर के धन से निर्मित कॉलेजों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए किया जा सकता है।

दुर्भाग्य से, द्रमुक सरकार ने इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया है, बल्कि बाजार मूल्य से अधिक किराया दिए बिना मंदिरों की भूमि का उपयोग सरकारी कार्यालयों के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार की कार्रवाई उसके हिंदू विरोधी रुख को दर्शाती है, जो समुदाय के दीर्घकालिक लाभों की बजाय अल्पकालिक लाभों को प्राथमिकता देती है। मंदिर की संपत्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग न करके, सरकार हिंदू समुदाय को संभावित लाभों से वंचित कर रही है। यह ज़रूरी है कि मुख्यमंत्री स्टालिन तुरंत कार्रवाई करें और एक श्वेत पत्र जारी करें जिसमें एचआर एंड सीई के नियंत्रण में मंदिर की ज़मीनों और संपत्तियों, बकाया किराए और बाज़ार दरों पर संपत्तियों को पट्टे पर देने या किराए पर देने से होने वाले संभावित राजस्व का विवरण हो। तमिलनाडु सरकार की प्राथमिकता मंदिर की ज़मीनों और संपत्तियों को बाज़ार मूल्य पर पट्टे पर देकर राजस्व बढ़ाना होनी चाहिए, न कि मंदिर के धन से कॉलेज बनवाना।

इस दृष्टिकोण को अपनाकर, सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि मंदिर की संपत्तियाँ समुदाय के लिए लाभकारी हों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा दें।

केरल भाजपा प्रमुख ने संगठन फेरबदल को लेकर नेताओं में असंतोष की खबरों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भाजपा की केरल इकाई के प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने प्रदेश इकाई में हाल ही में हुए संगठनात्मक फेरबदल को लेकर कुछ नेताओं में असंतोष की खबरों को रविवार को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी पदों पर नए चेहरों का आना एक स्वाभाविक घटना है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा में सभी लोग समान हैं, चाहे उनकी स्थिति या पद कुछ भी हो और सभी नेता एक टीम के रूप में एकजुट होकर काम कर रहे हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य 'विकसित केरल' है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी की राज्य इकाई में हर नेता को कोई न कोई जिम्मेदारी जरूर दी जाएगी।

चंद्रशेखर ने एक सवाल के जवाब में कहा, नए लोगों का पार्टी में आना और मौजूदा नेताओं को नई जिम्मेदारियां मिलना एक स्वाभाविक घटना है। हम सभी 'विकसित केरल' के सपने को साकार करने के एकमात्र उद्देश्य से काम कर रहे हैं।''

वरिष्ठ नेता की यह टिप्पणी मीडिया में उन खबरों के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि भाजपा की राज्य इकाई में नेताओं का एक वर्ग संगठन में पुनर्गठन के तहत किए गए नए बदलावों से नाखुश है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, पिछले सप्ताह भाजपा की राज्य इकाई में बड़े फेरबदल की घोषणा की गई थी।

पुडुचेरी के मंत्री और तीन मनोनीत विधायक आज शपथ लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के नवनियुक्त मंत्री ए. जॉन कुमार और तीन मनोनीत विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह 14 जुलाई को होगा। सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त मंत्री को अपराह्न डेढ़ बजे राज निवास में पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम मनोनीत विधायकों-वी सेल्वम, जी एन एस राजशेखरन और ई थीपैंथन को विधानसभा परिसर स्थित अपने कक्ष में शपथ दिलाएंगे।

इन विधायकों को वी पी रामलिंगम, के वेंकटेशन और आर बी अशोक बाबू के 27 जून को इस्तीफे के बाद पैदा हुई रिक्तियों को भरने के लिए मनोनीत किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भाजपा से संबद्ध इन तीनों सदस्यों को 2021 के विधानसभा चुनावों में ऑल इंडिया एन आर कांग्रेस (एआईएनआरसी)-भाजपा गठबंधन की केंद्रशासित प्रदेश में जीत के तुरंत बाद नियुक्त किया था। गृह मंत्रालय ने 11 जुलाई को जॉन कुमार और भाजपा द्वारा मनोनीत तीन विधायकों की नियुक्तियों को मंजूरी दे दी, जो पार्टी द्वारा मंत्रिमंडल और विधायी शाखा में शुरू किए गए फेरबदल का हिस्सा है।

कुमार के शामिल होने से एन रंगासामी के नेतृत्व वाले चार साल से अधिक पुराने मंत्रिमंडल में फिर से छह सदस्य हो जाएंगे। इसमें (मुख्यमंत्री सहित) चार एआईएनआरसी मंत्री और भाजपा के दो नेता हैं।

जॉन कुमार कामराज नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2021 में अपने चुनाव के बाद से मुख्यमंत्री के संसदीय सचिव के रूप में सेवाएं दीं। यह पद ए के साई जे सरवनन के 27 जून को आदि द्रविड़ कल्याण मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुआ था।

कांग्रेस के पूर्व नेता कुमार 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। उनके बेटे रिचर्ड जॉन कुमार भी भाजपा विधायक हैं। वह नेलितोप निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में विधानसभा में भाजपा के छह निर्वाचित सदस्य हैं, जबकि उसकी सहयोगी एआईएनआरसी के 10 सदस्य हैं।

टीवीके प्रमुख विजय ने हिरासत में मौत के मामलों को लेकर द्रमुक सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक प्रमुख और अभिनेता विजय ने ''हिरासत में मौतों'' को लेकर रविवार को तमिलनाडु की द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की आलोचना की।

विजय ने यहां टीवीके की विरोध रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हिरासत में यातना के शिकार अजित कुमार एक साधारण परिवार से थे और मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से माफी मांगी है, जो काफी नहीं है। काले कपड़े पहने विजय ने एक तख्ती थाम रखी थी जिस पर लिखा था, हमें न्याय चाहिए, माफी नहीं।

टीवीके प्रमुख ने सवाल कि क्या स्टालिन ने 2021 से अब तक द्रमुक शासन के दौरान कथित हिरासत में यातना के सभी 24 पीड़ितों के परिवारों से माफी मांगी? उन्होंने कहा, कृपया उन सभी से क्षमा मांगें।

केरल की नर्स को यमन में बचाने के लिए हस्तक्षेप संबंधी याचिका पर न्यायालय में सुनवाई आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम्/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें केंद्र को एक भारतीय नर्स को बचाने के लिए राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करने के वास्ते निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। नर्स को हत्या के जुर्म में 16 जुलाई को यमन में फांसी दिए जाने की संभावना है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। अधिवक्ता सुभाष चंद्रन के.आर. ने कहा था कि इस मामले में जल्द से जल्द राजनयिक माध्यम तलाशे जाने की आवश्यकता है, जिसके बाद मामले को 10 जुलाई को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। उन्होंने दलील दी थी कि शरिया कानून के तहत मृतक के परिवार को 'ब्लड मनी' देने की संभावनाएं भी तलाशी जा सकती हैं। उन्होंने दलील दी थी कि अगर 'ब्लड मनी' दे दी जाए तो मृतक का परिवार केरल की नर्स को माफ़ कर सकता है। 'ब्लड मनी' आरोपी (आमतौर पर हत्यारे) या उसके रिश्तेदारों द्वारा मृतक के परिजन को दिया जाने वाला मुआवजा होता है। पीठ ने वकील से याचिका की प्रति अटॉर्नी जनरल को देने को कहा और उनकी सहायता मांगी। केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली 38 वर्षीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन की एक अदालत ने 2017 में अपने यमनी व्यापारिक साझेदार की हत्या का दोषी करार दिया गया था। उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और उनकी अंतिम अपील 2023 में खारिज कर दी गई थी।

केरल के राज्यपाल ने विवाद के बीच स्कूलों में 'गुरु पूजा' का समर्थन किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लोगों के एक वर्ग द्वारा की जाने वाली 'गुरु पूजा' की प्रथा का रविवार को पुरजोर तरीके से बचाव किया और कहा कि शिक्षकों के चरणों में पुष्प अर्पित करना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है।

राज्यपाल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में 'पद पूजा' (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की।

केरल के मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ाने की धमकी मिली, बाद में झूठी निकली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के आधिकारिक आवास क्लिफ हाउस को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो बाद में झूठी निकली। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमकी ईमेल के माध्यम से थम्पनूर पुलिस थाने को मिली थी और इसके स्रोत का अभी पता नहीं चल पाया है। ईमेल के अनुसार, क्लिफ हाउस में बम विस्फोट होने वाला था।

पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने स्वान और बम-रोधी दस्तों की मदद से गहन तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। तलाशी के समय मुख्यमंत्री विजयन और उनका परिवार विदेश में था। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या यह धमकी राज्य भर के प्रमुख संस्थानों को निशाना बनाकर हाल ही में दी गई बम धमकियों से जुड़ी है।

सुरेश गोपी अभिनीत फिल्म 'जेएसके' शीर्षक में बदलाव के साथ 17 जुलाई को रिलीज होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। सुरेश गोपी अभिनीत फिल्म जानकी बनाम केरल राज्य' 17 जुलाई को प्रदर्शित की जाएगी, क्योंकि सेंसर बोर्ड की आपत्ति के बाद निर्माता फिल्म का शीर्षक बदलने पर सहमत हो गए हैं। अब फिल्म का शीर्षक जानकी वी बनाम 'केरल राज्य' (जेएसके) होगा। क्षेत्रीय समिति द्वारा मंजूरी दिए जाने के बावजूद, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की पुनरीक्षण समिति ने मूल शीर्षक को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि 'जानकी' देवी सीता का एक नाम है।

फिल्म के निर्माताओं द्वारा दायर अपील के बाद, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एन नागरेश ने फैसला सुनाने से पहले फिल्म देखने पर सहमति व्यक्त की। स्क्रीनिंग के बाद अदालत ने निर्माताओं से पूछा कि क्या वे कानूनी लड़ाई जारी रखना चाहते हैं। इसके बाद निर्माता सीबीएफसी द्वारा सुझाए गए बदलावों पर सहमत हो गए, क्योंकि फिल्म की रिलीज में देरी हो रही थी। शीर्षक परिवर्तन के अलावा, फिल्म को आठ दृश्यों में बदलाव के साथ रिलीज किया जाएगा, तथा अदालती दृश्यों में जानकी' नाम को म्यूट कर दिया जाएगा।

फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने फेसबुक पर घोषणा की कि फिल्म 17 जुलाई को रिलीज होगी। 'जेएसके' में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और अनुपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीबीएफसी ने अब फिल्म को यूए 16 प्लस' प्रमाण पत्र दिया है।

रामगंज इलाके में दो समुदायों के बीच पथराव के बाद तनाव, सात लोग हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के रामगंज थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दो समुदायों के बीच मामूली कहासुनी के बाद पथराव के बाद तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों समुदायों के सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

उसने बताया कि घटना शनिवार देर रात पहाड़गंज इलाके में हुई जब दो समुदायों के बीच मामूली कहासुनी के बाद पथराव हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। उन्होंने बताया कि घटना में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशि डोगरा ने बताया कि शनिवार रात नियंत्रण कक्ष को पहाड़गंज में दो समुदायों के बीच विवाद की सूचना के बाद पथराव की सूचना मिली। उन्होंने कहा, रामगंज थाने के पास तैनात पुलिस बल कुछ मिनट के भीतर घटना स्थल पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। थानाधिकारी सुभाष यादव ने बताया कि रविवार सुबह स्थिति शांतिपूर्ण रही।

उन्होंने कहा, पुलिस दल लगातार गश्त कर रहा है और सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस सिलसिले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, इलाके में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया गया है। थाना प्रभारी ने कहा लोगों को सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों से बचना चाहिए।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ तक पिछले 24 घंटे की अवधि में राज्य में सबसे अधिक 115 मिलीमीटर बारिश मनोहर थाना (झालावाड़) में दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान बांसवाड़ा के सलोपाट में 90 मिलीमीटर, जालौर के जसवंतपुरा में 80 मिलीमीटर और धौलपुर के सैपऊ में 70 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं इस दौरान राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर 10 से 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि राज्य में शनिवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान सिरोही में 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश हिस्सों में हवा में औसत आर्द्रता 65 से 100 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई।

एटीएम को काटकर करीब 32 लाख रुपए की नकदी लूटी

सीकर। राजस्थान के सीकर में अज्ञात बदमाश एक एटीएम को गैस कटर से काटकर लगभग 32 लाख रुपए नकद लूट ले गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उद्योगनगर के थानाधिकारी मनोज कुमार भाटीवाड़ के अनुसार शुक्रवार देर रात चार-पांच बदमाश लग्जरी गाड़ी से आए और गैस कटर से एटीएम को काटा। वे लगभग 32 लाख रुपए की नकदी से भरी एटीएम की ट्रे को कार में रख फरार हो गए।

पुलिस आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। करीब सात दिन पहले भी अजीतगढ़ में बदमाश 18 लाख रुपए से भरा एटीएम उखाड़ कर ले गए थे।

प्रदेश का प्रथम ग्रीन बजट पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान – हरियाळो-राजस्थान' के ब्लॉक स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम जोधपुर जिलें की ग्राम पंचायत दुन्दाड़ा पंचायत समिति लूणी में रविवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। पटेल ने कहा डबल इंजन की सरकार समग्र एवं समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित हो कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश का प्रथम ग्रीन बजट पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा ग्रीन बजट का लक्ष्य वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने कहा गत वर्ष मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाए गए थे,इस वर्ष हर परिवार को जोड़ते हुए 10 करोड़ पौधे लगाने एवं पालने का लक्ष्य रखा है।

पटेल ने कहा यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए हरित एवं सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने कहा आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट से जूझ रहा है और आज प्रकृति एवं पर्यावरण की रक्षा अधिकाधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष युवाओं को एक लाख 25 हजार पदों पर सरकारी नौकरी दी जा रही है। उन्होंने कहा वर्षों से लम्बित ड्राइवर और चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों की भर्ती प्रक्रियाधीन है। पटेल ने कहा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नर्सिंग कर्मियों के सारे पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा मेडिकल ऑफिसर की भर्ती पूर्ण हो गई और जल्द ही नियुक्ति दी जाएगी।

पटेल ने कहा लूणी क्षेत्र के विकसित और आधुनिक सड़क तंत्र के लिए लगभग 4 अरब से अधिक लागत के सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत करवाए गए है। उन्होंने कहा 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में अटल प्रगति पथ का निर्माण चरणबद्ध रूप से करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा कि विद्यालय सहित सभी सामुदायिक स्थानों को स्वच्छ एवं हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आह्वान किया।

कन्हैयालाल की पत्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा, कहा: 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म रिलीज हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाये जाने के बाद उदयपुर के कन्हैयालाल की विधवा जशोदा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इस फिल्म की रिलीज सुनिश्चित करने का आग्रह किया है ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके। यहां 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने कथित रूप से बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह फिल्म इसी हत्याकांड पर आधारित है।

अपने कतिपय पत्र में जशोदा ने आरोप लगाया कि मुस्लिम संगठनों और उनके वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से फिल्म पर रोक लगवा दी। यह पत्र शनिवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। जशोदा ने लिखा, मैंने खुद फिल्म देखी है। यह सिर्फ कन्हैयालाल की हत्या की कहानी है, उसमें तो कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा,आपसे प्रार्थना है कि इस फिल्म को रिलीज करा दीजिए ताकि पूरी दुनिया को सच्चाई पता चल सके।

पत्र में उन्होंने लिखा है,तीन साल पहले उन्हें मार दिया गया और अब ये वकील कपिल सिब्बल कह रहे हैं कि जो हुआ उसे फिल्म में दिखा भी नहीं सकते। मेरे बच्चे बता रहे हैं कि फिल्म पर अब मोदी सरकार फैसला करेगी। आपको तो पता ही है कि हमारे साथ कितना गलत हुआ और अब उल्टा वही लोग अदालत में जा रहे हैं जिन्होंने इनको मारा है। जशोदा ने प्रधानमंत्री से मिलने के लिए भी समय मांगा है। उन्होंने कहा है कि वह अपने दोनों बच्चों के साथ उनसे मिलना चाहती हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल में कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक लगा दी। अदालत के स्थगन आदेश के बाद कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने कहा, मेरे पिता के हत्यारों को अभी तक सजा नहीं मिली है। मामला तीन साल से लंबित है। हमें न्याय कब मिलेगा? राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तानी नागरिक सलमान और अबू इब्राहिम को फरार आरोपी बनाया है और मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद एवं मोहम्मद रियाज अत्तारी समेत 11 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। मोहम्मद जावेद और फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला को एनआईए अदालत से जमानत मिल चुकी है।

मिनी बस ट्रक में घुसी, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चंबल पुल के पास उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार मिनी बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक ज्वेलर परिवार सवार था। पुलिस और चश्मदीदों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। मिनी बस में चालक को झपकी आ गई, जिससे उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। बस में सवार 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान गीता सोनी (63), उनके दो बेटे ब्रजेश सोनी (45) और अनिल सोनी (48), तथा दामाद सुरेश सोनी (45) के रूप में हुई है। गीता सोनी के बेटे अनिल और ब्रजेश ज्वेलरी का कारोबार करते थे, जबकि दामाद सुरेश भरतपुर में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसे का कारण ड्राइवर को नींद आना माना जा रहा है। बस की रफ्तार काफी तेज थी और चंबल पुल पर वह सीधे ट्रक में जा घुसी। मिनी बस की स्थिति देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सोनी परिवार शनिवार को मध्य प्रदेश के इंदौर गया था, जहां परिवार के एक सदस्य का सगाई और गोदभराई समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के 14 लोग एक मिनी ट्रैवलर बस से रात करीब 9 बजे इंदौर से करौली के लिए रवाना हुए थे। सुबह तड़के कोटा के पास यह हादसा हो गया। घटना के बाद बुढ़ादित पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। चार गंभीर रूप से घायलों को प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। बाकी का इलाज एमबीएस अस्पताल में ही चल रहा है। तीन घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

अनिल सोनी के भतीजे संजय सोनी के मुताबिक बस में मौजूद सानिया, ममता, संजू, छोटू सहित कई लोग घायल हुए हैं। इनमें से 7 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, कुछ घायलों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

इस हादसे ने एक बार फिर से लंबी दूरी की यात्राओं में ड्राइवरों की सतर्कता और पर्याप्त विश्राम की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर को नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि, मिनी बस के ड्राइवर की स्थिति की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है वह भी घायल हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बस की हालत देखकर साफ है कि उसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम नहीं रही होगी। नींद की एक झपकी ने एक खुशहाल परिवार को उजाड़ दिया। करौली के सीताबाड़ी इलाके में इस हादसे की खबर जैसे ही पहुंची, पूरे मोहल्ले में मातम पसर गया। सोनी परिवार इलाके में प्रतिष्ठित और सामाजिक रूप से सक्रिय माना जाता था। एक ही परिवार के चार सदस्यों की एक साथ मौत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी सरकारी मुआवजे की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। यह घटना सिर्फ एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि एक व्यवस्था और जिम्मेदारी का सवाल भी है जहां यात्रियों की सुरक्षा के लिए ड्राइवरों की फिटनेस और सतर्कता पर नियमित निगरानी बेहद जरूरी है।

चर्चा

जोधपुर सर्किट हाउस में रविवार को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जलदाय विभाग के अधिकारियों से शहर की जल संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा के दौरान।

सीकर में छात्र ने आत्महत्या की, हॉस्टल के कमरे में लगाई फांसी

सीकर। राजस्थान के सीकर में एक छात्र ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह छात्र सीकर शहर के उद्योग नगर थाना इलाके में नीट की तैयारी कर रहा था। शनिवार रात छात्र ने निजी हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाई। दो दिन पहले ही नीट की तैयारी करने आए छात्र के इस कदम से सब सदमे में हैं। मृतक छात्र की पहचान बालोतरा जिले के समदड़ी निवासी दिनेश कुमार के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक, छात्र 2 दिन पहले ही इस हॉस्टल में आया था और सिर्फ एक दिन कोचिंग के लिए गया। शनिवार रात छात्र दिनेश कुमार ने सुसाइड कर लिया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची उद्योग नगर थाना पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। हालांकि, छात्र के सुसाइड करने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। उद्योग नगर थाना पुलिस परिजनों की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

उद्योग नगर थाने के एसआई रोहताश सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पिपराली रोड स्थित सूर्य नगर में निजी हॉस्टल में एक छात्र ने फांसी लगाई है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो छात्र पंखे से लटका हुआ था। मृतक छात्र के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि 20 वर्षीय छात्र दिनेश कुमार पुत्र राम मिश्रा दो दिन पहले ही हॉस्टल में आया था और सीकर में एक निजी कोचिंग में नीट की तैयारी कर रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र के कमरे से किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम हो चुका है और उसे वापस परिजनों को सुपर्द कर दिया गया है। पुलिस शुरुआती जांच में मानकर चल रही है कि छात्र ने मानसिक तनाव के चलते सुसाइड जैसा कदम उठाया है।

राजस्थान के सरकारी शिक्षकों ने पौधारोपण के सरकारी आदेश को अव्यवहारिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों को नए सत्र की शुरुआत में पौधारोपण अभियान की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है जिसकी वजह शिक्षकों व विद्यार्थियों को सरकार के एक पौधारोपण अभियान के दैनिक और मासिक लक्ष्यों को पूरा करने का काम सौंपा जाना है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हरियालो राजस्थान – एक पेड़ मां के नाम मिशन के तहत 10 जुलाई से 10 अगस्त के बीच 25 करोड़ पौधे लगाने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार, उच्च प्राथमिक कक्षाओं तक के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिदिन 10 पौधे लगाने होंगे, जबकि प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन 15 पौधे लगाने का लक्ष्य है और शिक्षकों को प्रतिदिन 15 पौधे लगाने होंगे।जोधपुर के उपनगरीय क्षेत्र के एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अभियान पर सवाल करते हुए कहा कि क्या यह किसी भी तरह से व्यावहारिक लगता है? उन्होंने कहा, पौधा लगाना हमारे समय की जरूरत है, लेकिन इतना कठिन लक्ष्य और उसे हासिल करने का दबाव बेमानी है और इससे नियमित काम प्रभावित होता है।उन्होंने कहा कि ज्यादातर स्कूलों में पौधारोपण के लिए जगह ही नहीं है। इससे स्कूल का नियमित काम और प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित होते हैं, क्योंकि अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए मनाना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, आदेश के अनुसार स्कूलों को खुदाई से लेकर पौधारोपण तक की पूरी गतिविधि शिक्षकों को एक 'ऐप' पर अपलोड करनी होगी। शिक्षकों को गड्ढा खोदने के लिए जगह ढूंढने, पौधों को व्यवस्थित करने और फिर यह सुनिश्चित करने की भी चिंता है कि पौधे जीवित रहें, जबकि किसी भी व्यवस्था के लिए कोई वित्तीय प्रावधान नहीं किया गया है।

सरकारी पौधशाला में इतनी बड़ी संख्या में पौधों की उपलब्धता भी चिंता का विषय है। शहर के एक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के एक शिक्षक ने भी आदेश की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया और पूछा कि शहरी क्षेत्रों के स्कूलों को इस तरह के पौधरोपण अभियान के लिए पर्याप्त जगह कहां मिलेगी? राजस्थान शिक्षक संघ (अजमेर संभाग) के मीडिया प्रभारी कालू राम ने पूछा कि क्या शिक्षकों को स्कूल चलाना और पढ़ाना है या गड्ढे खोदते और पेड़ लगाते हुए नजर आना है? उन्होंने कहा, इस अभियान में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी की गई है और विवेकपूर्ण योजना के अभाव में, यह पूरी प्रक्रिया उद्देश्यहीन साबित होगी।

केंद्र और राज्य सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली- बहरोड़ श्र केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव रविवार को नीमराना के बावड़ी के पास आयोजित स्टेटहाईवे-111- (नीमराना से हरियाणा सीमा तक) सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। यादव ने सड़क शिलान्यास कर आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि नीमराणा में केंद्र सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपये की लागत का स्वीकृत स्टेटहाईवे-111- रोड़ नीमराना से नाघोड़ी, घिलोठ, डाबड़वास चावण्डी, माँढ़ण, गिगलाना, रायसराना, बिघाना जाट एवं हरियाणा सीमा की कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2 सालों में करीब 270 किमी सड़क के लिए 270 करोड़ रुपए दिए हैं, जिनमें इस 48 किमी सड़क के लिए 50 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

यादव ने कहा कि मेरे यहां आने का मुख्य उद्देश्य नीमराणा की जनता को चुनावों में मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद व आभार जताना था, यहां की जनता से मुझे बहुत ही मान और सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है सरकारी योजनाओं को सौ प्रतिशत पूरा कराना असली धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय है और मैं इसी को पूरा करने का प्रयास कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास एवं आने वाली पीढ़ी के लिए लाइब्रेरी एवं खेल के मैदान विषयों पर ग्रामीणों की चिंता होनी चाहिए, इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'खेलो इंडिया' और जो 'फिट है वो हिट है' का नारा दिया एवं देशभर में खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए खेल सांसद उत्सव कराने के लिए प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी में इस भावना को बढ़ाने के लिए हम सभी को साथ मिलकर आगे आना चाहिए।

यादव ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र के साथ मिलकर केंद्र की योजनाओं को पूरा करने की सहमति दिखाई है। उन्होंने कहा कि मैने पिछले 1 साल में लोकसभा क्षेत्र में 383 से अधिक कार्यक्रम किए और लगभग 600 गांवों का दौरा किया एवं आमजन की समस्याओं के निस्तारण का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान की सबसे बड़ी जल समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं को समझा एवं केंद्र सरकार ने भी नदियों को जोड़ने के लिए विशेष समिति गठित की एवं प्रधानमंत्री ने पार्वती- काली सिंध- चंबल परियोजना को अनुमोदन दिया।

राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के समन्वय से केंद्र सरकार ने इस पर पूरा मार्गदर्शन दिया और इसी का परिणाम हुआ कि 28 जनवरी को दोनों राज्यो के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए और प्रधानमंत्री की उपस्थिति में 17 दिसंबर को दोनों राज्यो का एमओयू का आदान-प्रदान भी हुआ।

लखनऊ में नई ब्रह्मोस परीक्षण सुविधा भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की नवनिर्मित एकीकरण और परीक्षण सुविधा रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

सिंह ने यह बात लखनऊ में एक कार्यक्रम में कही जहां उन्होंने नेशनल पीजी कॉलेज में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की प्रतिमा का अनावरण किया और एक डाक टिकट जारी किया। सिंह ने कहा, कुछ दिन पहले ही, मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। इससे रोजगार भी पैदा होगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की सराहना की जिसके कारण राज्य में निवेश बढ़ रहा है और उद्योग फल-फूल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेस वे, हवाई अड्डा, मेट्रो, मेडिकल कॉलेज... ये सभी विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं।

लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त की भी प्रशंसा की। गुप्त चार बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। सिंह ने कहा, चंद्रभानु गुप्त जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरुआत की और अपने त्याग, प्रतिबद्धता और नेतृत्व से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई। चंद्रभानु गुप्त का जीवन हमें बताता है कि सत्ता का मतलब केवल पद या अधिकार नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग और जनता के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा, उनका जीवन हमें यह संदेश भी देता है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुश्मनी नहीं होनी चाहिए।

सिंह ने यह भी कहा कि गुप्त एक नेता से ज़्यादा जनसेवक थे। उन्होंने कहा, जब हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं तो स्वाभाविक रूप से चंद्रभानु गुप्त जी का नाम सामने आता है। सिंह ने गुप्त के संघर्षों की चर्चा करते हुए कहा कि देश के आजाद होने के बाद जब संविधान लागू हुआ और आधुनिक लोकतंत्र की नींव पड़ी, तब देश कई बड़ी-बड़ी समस्याओं से जूझ रहा था और उस समय शासन-प्रशासन की चुनौतियां और जिम्मेदारियां भी बहुत बड़ी थी। सिंह ने कहा कि गुप्त जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तो पहले ही दिन उन्होंने मंत्रियों के वेतन और भत्ते को कम करने का कार्य किया ताकि सरकार के खर्च को कम किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कहा, आज देश और प्रदेश में जो प्रशासनिक व्यवस्था काम कर रही है, उसकी नींव रखने में चंद्रभानु गुप्त जी जैसे लोगों का बड़ा योगदान है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर

चुनाव आयोग के दावे पर तेजस्वी ने उठाया सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को निर्वाचन आयोग के इस दावे पर सवाल उठाया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तेज गति से चल रहा है और 25 जुलाई की समय सीमा से पहले इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उच्चतम न्यायालय के इस सुझाव पर निर्वाचन आयोग की 'चुप्पी' पर भी कड़ी आपत्ति जताई कि आधार कार्ड और राशन कार्ड को स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इन दस्तावेजों को उन मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाना है जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, जब आखिरी बार एसआईआर कराई गई थी।

तेजस्वी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग ने शनिवार को जारी अपने प्रेस नोट में दावा किया है कि राज्य के 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक मतदाता पहले ही एसआईआर के तहत गणना फार्म जमा करा चुके हैं। यह एक हैरान करने वाला दावा है, क्योंकि अनुमानतः बिहार के चार करोड़ लोग अन्य राज्यों में रहते हैं।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हम निर्वाचन आयोग से जानना चाहेंगे कि इस प्रक्रिया में कितने प्रवासियों को शामिल किया गया है। यह सर्वविदित है कि चुनावों के दौरान बड़ी संख्या में लोग वोट डालने के लिए अपने गृह राज्य लौटते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान, अनुमानित 40 लाख प्रवासियों के लिए कई विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन करना पड़ा। निर्वाचन आयोग को बताना चाहिए कि इस बार क्या व्यवस्था की गई थी।''

उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग आंकड़ों के साथ खेल रहा है ताकि यह गलत धारणा बने कि वह यह काम कुशलतापूर्वक कर रहा है।

तेजस्वी ने कहा, ''हमें शिकायतें मिली हैं कि बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) लक्ष्य हासिल करने के लिए दबाव में हैं और वे संबंधित मतदाताओं से विधिवत हस्ताक्षर और भराई करवाए बिना ही गणना प्रपत्र एकत्र कर रहे हैं।''

भाषा को लेकर विवाद 'घातक' प्रवृत्ति : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने कुछ राज्यों में भाषा को लेकर विवाद और हिंसा पर चिंता जाहिर करते हुए रविवार को इसे 'घातक' प्रवृत्ति बताया और कहा कि धर्म, क्षेत्र, जाति व भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति पर हावी होने का प्रयास करती है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हर भारतीय को भारतीयता पर गर्व करके कार्य करना चाहिए।

पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती ने यहां केंद्रीय कैंप कार्यालय में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल की संगठनात्मक तैयारी और जनाधार बढ़ाने समेत कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर गहन समीक्षा बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। संकीर्ण उद्देश्यों के लिए भाषा और जातीय हिंसा आदि मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मायावती ने केंद्र और राज्य की सरकारों से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि जैसे जनहित के जरूरी मुद्दों पर खास ध्यान देने की मांग की।

सोनभद्र में तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को सम्मोहित करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

सोनभद्र (उप्र)/भाषा। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र में तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को सम्मोहित करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से सार्वजनिक हुआ, जिसमें हरहोरी का निवासी सत्येंद्र कुमार (33) अपने क्षेत्र की एक महिला से पूजा पाठ, शुद्धिकरण और तंत्र-मंत्र के लिए लड़की की व्यवस्था करने के लिये कह रहा है।

एएसपी ने बताया कि वीडियो में आरोपी को लड़की को सोनभद्र के दुद्धी के निवासी अवधेश तिवारी (45) के यहां पहुंचाने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है।

उन्होंने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद संबंधित महिला की शिकायत पर म्योरपुर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों सत्येंद्र और अवधेश के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

एएसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पूरी तरह नाकाम हो चुकी है भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बारिश के मौसम में जगह-जगह जलभराव और अन्य परेशानियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि केन्द्र, प्रदेश और नगर निकायों में काबिज सत्तारूढ़ दल की 'ट्रिपल इंजन' सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है।

यादव ने यहां एक बयान में दावा किया कि भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार और लापरवाही जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम शुरू होते ही नगरों का बुरा हाल हो गया है, नाले उफान पर हैं, सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं, नालियां जाम हो रही हैं और बरसात का पानी जगह-जगह जमा हो रहा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और शहरों में गंदगी व कूड़े का अम्बार लगा है।

यादव ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन' सरकार पूरी तरह नाकाम हो चुकी है।

सपा प्रमुख ने कहा, ''केन्द्र और प्रदेश की सरकार के साथ ही नगर निकायों में जहां भाजपा वर्षों से काबिज है, वहां बुरा हाल है। काशी, गोरखपुर, लखनऊ से लेकर कानपुर, झांसी तक हर जगह एक जैसी स्थिति है। वर्षों से नगर निगमों पर काबिज भाजपा लोगों को मूलभूत सुविधाएं और साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं दे पा रही है। नालों और नालियों की सफाई के बजट का बंदरबांट हो रहा है। सफाई के नाम पर खानापूर्ति हो रही है।''

उन्होंने कहा, ''सरकार बारिश को गंभीरता से ले। सरकार की बदइंतजामी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश में भाजपा की 'ट्रिपल इंजन' सरकार के स्मार्टसिटी, गड्ढा मुक्त सड़कें और जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर किए जा रहे सारे दावे नाकाम हो चुके हैं। भाजपा सरकार ने नौ साल में जमीन पर कोई काम नहीं किया। इनका विकास जमीन पर नहीं है सिर्फ कागजों पर है।''

देबबर्मा ने त्रिपुरा में 'बिहार मॉडल' के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण की मांग की

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने त्रिपुरा में 2028 में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का 'बिहार की तरह' पुनरीक्षण कराने का रविवार को आह्वान किया।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया है।

इस प्रक्रिया ने पहले ही विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्षी दलों ने मतदाता पंजीकरण के लिए लागू किये जा रहे सख्त मानदंडों पर चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर देबबर्मा ने लिखा, ''यही प्रक्रिया पूर्वोत्तर भारत, खासकर त्रिपुरा, में भी लागू की जानी चाहिए और अधिकारियों में हमारे मूल निवासी तिप्रासा लोगों/अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए।''

भारत में वन कार्बन सिंक कमजोर हो रहे हैं, वनों की गुणवत्ता बढ़ाना महत्वपूर्ण : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने रविवार को एक अध्ययन का हवाला दिया, जो पुष्टि करता है कि वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों में भारत में वन कार्बन सिंक कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वनों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि ''ग्लोबल वार्मिंग'' और जलवायु परिवर्तन के युग में वनों को बहुत महत्व दिया गया है, क्योंकि वे प्राकृतिक कार्बन सिंक हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब आईआईटी -खड़गपुर के दो वैज्ञानिकों ने एक विस्तृत रिमोट सेंसिंग-आधारित अध्ययन प्रकाशित किया है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि वर्तमान और भविष्य के जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के कारण भारत में वन कार्बन सिंक कमज़ोर हो रहे हैं। वनों की गुणवत्ता बढ़ाना और उनका संरक्षण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हरियाली का मतलब स्वतः ही कार्बन अवशोषण नहीं होता। रमेश ने कहा, भारत के जैव विविधता से भरपूर प्राकृतिक वन गंभीर खतरे में हैं। हम पूरी तरह से इस गलत धारणा पर अड़े हुए हैं कि प्रतिपूरक वनीकरण, योजनाबद्ध तरीके से वनों के कटाव और अच्छी गुणवत्ता वाले वन नुकसान की भरपाई कर सकता है।

होटल के कमरे में पिता ने छह वर्षीय बेटे की हत्या की

पटना/भाषा। पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति ने अपने छह वर्षीय बेटे की कथित तौर पर पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान सनी (छह) के रूप में हुई है, जो प्रभाकर महतो का बेटा था। घटना के बाद आरोपी पिता फरार हो गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सदर-1 अभिनव ने संवाददाताओं को बताया, ''रविवार सुबह सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के पास एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति ने अपने छह वर्षीय बेटे को कथित तौर पर पीटा है। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को अस्पताल पहुंचाया ,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसडीपीओ के अनुसार, मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात अपने पति के साथ उसका झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने (आरोपी ने) बेटे को बुरी तरह पीटा और जमीन पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इसके बाद, बच्चे का पिता मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि दंपति अपने बेटे के साथ पटना घूमने आया था और रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में ठहरा हुआ था।

उल्फा (आई) ने अपने शिविरों पर सेना के ड्रोन हमलों का दावा किया

गुवाहाटी/भाषा। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) ने रविवार को दावा किया कि भारतीय सेना ने म्यांमा सीमा पर उसके शिविरों पर ड्रोन हमले किए हैं, हालांकि सशस्त्र बलों की ओर से इस घटनाक्रम की कोई पुष्टि नहीं की गई है। उल्फा (आई) ने एक बयान में कहा कि उसके कई शिविरों पर तड़के ड्रोन से हमले किए गए। प्रतिबंधित संगठन ने दावा किया कि हमलों में नयन असोम उर्फ नयन मेधी मारा गया, जो इसकी 'निचली परिषद' का 'अध्यक्ष' था, जबकि लगभग 19 अन्य घायल हो गए।

संपर्क करने पर रक्षा प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसी किसी घटना की कोई जानकारी नहीं है। लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा, भारतीय सेना के पास इस तरह के किसी ऑपरेशन की कोई जानकारी नहीं है। उल्फा (आई) ने बाद में एक अन्य बयान में दावा किया कि जब उसके मारे गए सदस्य का अंतिम संस्कार किया जा रहा था, उस दौरान उसके शिविर पर मिसाइलें दागी गईं। संगठन ने कहा कि दूसरे दौर के हमलों में दो अन्य वरिष्ठ सदस्य 'ब्रिगेडियर' गणेश असोम और 'कर्नल' प्रदीप असोम मारे गए, जबकि कई अन्य सदस्य एवं नागरिक घायल हो गए।

ओडिशा: 95 प्रतिशत झुलसी छात्रा मौत से जूझ रही

मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिवार से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि सरकार बालासोर स्थित कॉलेज परिसर में कथित यौन उत्पीड़न के बाद खुद को आग लगाने वाली 20 वर्षीय छात्रा के लिए ''बेहतर इलाज'' सुनिश्चित कर रही है।

स्थानीय एम्स में भर्ती छात्रा 95 प्रतिशत तक झुलस जाने के कारण वेंटिलेटर पर है और अस्पताल प्रशासन ने उसकी हालत को ''बेहद गंभीर'' बताया है। माझी रविवार को हवाई अड्डे पर पहुंचते ही एम्स भुवनेश्वर पहुंचे और डॉक्टरों तथा पीड़िता के परिवार के सदस्यों से बात की। माझी दिल्ली के दौरे पर गये थे।

भुवनेश्वर स्थित एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. आशुतोष बिस्वास ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''पीड़िता के शरीर का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा गंभीर रूप से झुलस गया है। उसके गुर्दे और फेफड़े भी प्रभावित हुए हैं। वह वर्तमान में आईसीयू में है। बिस्वास ने बताया कि कई विभागों के चिकित्सक छात्रा के इलाज में लगे हुए हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि सुधार के कोई संकेत नहीं हैं।

अस्पताल ने एनेस्थीसिया, 'पल्मोनरी मेडिसिन', 'बर्न एंड प्लास्टिक', 'नेफ्रोलॉजी' और अन्य विभागों के चिकित्सकों की आठ-सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। समिति को आवश्यकतानुसार, किसी भी अतिरिक्त विशेषज्ञ को शामिल करने का अधिकार है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने छात्रा द्वारा आत्मदाह करने की घटना पर स्वत: संज्ञान लेते हुए रविवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा।

आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने ओडिशा के डीजीपी से ''निष्पक्ष और समयबद्ध'' तरीके से जांच सुनिश्चित करने को कहा है।

ओडिशा की दो मुख्य विपक्षी पार्टियां बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने माझी तथा राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के आवास के निकट प्रदर्शन कर उनके इस्तीफे की मांग की।

इस बीच, तीन-सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज पहुंची, जहां छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी। समिति में उच्च शिक्षा निदेशक काली प्रसन्ना महापात्रा, आईएएस अधिकारी, विभाग की संयुक्त सचिव मौसमी नायक और स्वायत्त महाविद्यालय की प्रोफेसर झुमकी रथ शामिल हैं।

बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज में एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने शनिवार को एक शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए खुद को आग लगा ली थी। समिति को आत्मदाह के कारणों का पता लगाने, शिक्षा विभाग प्रमुख समीर कुमार साहू के खिलाफ उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने का काम सौंपा गया है। इस बीच, राज्य सरकार ने कॉलेज के प्राचार्य दिलीप घोष को निलंबित कर दिया है और साहू को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पटना में ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी की गोली मारकर हत्या

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना के पिपरा इलाके में 50 वर्षीय एक ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सुरेंद्र कुमार (50) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि घटना शनिवार रात शेखपुरा गांव में तब हुई, जब कुमार खेत में काम कर रहे थे।

मसौढ़ी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-2) कन्हैया सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि ग्रामीणों के अनुसार, उन्होंने खेत से गोलियों की आवाज सुनी और जब वे वहां गए, तो अधिकारी अचेत हालत में मिले, जिन्हें गोली लगी हुई थी।

सिंह ने कहा कि कुमार को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''और अब पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या! क्या कहें किससे कहें? राजग सरकार में कोई सच्चाई सुनने वाला नहीं, गलती स्वीकारने वाला नहीं? मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य का सबको पता है, लेकिन भाजपा के दो-दो नकारे उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे है?''

मणिपुर के उग्रवादी समूह लूटे गए हथियारों को स्नाइपर राइफल में बदल रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/इंफाल/भाषा। मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के जातीय उग्रवादी समूह अपने हथियारों को परिवर्तित कर रहे हैं और उनकी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें जुगाड़ की स्नाइपर राइफल में बदल रहे हैं। इनमें से कई हथियार 2023 में पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन हथियारों को विरोधी समुदायों को निशाना बनाने के लिए स्नाइपर राइफल में बदल दिया गया। पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए 6,000 से ज़्यादा हथियारों में .303 राइफल, एके असॉल्ट राइफल और इंसास राइफल और कार्बाइन शामिल थीं।

अधिकारियों ने बताया कि मानक .303 राइफल की मारक क्षमता लगभग 500 मीटर है। उन्होंने बताया कि बंदूक के बट में बदलाव करने और अन्य विशिष्टताओं के साथ विशेष दूरबीन लगाने के बाद, उसी राइफल से चलाई गई गोली अधिक सटीकता और मारक क्षमता के साथ अधिक दूरी तक जा सकती है। एके-47 केवल 300-400 मीटर के दायरे में ही सबसे प्रभावी है। इन बदलावों से पता चलता है कि ये समूह लंबी दूरी से घात लगाकर हमले में शामिल होना चाहते थे, लेकिन इससे पहले कि वे सुरक्षा बलों के लिए कोई नई चुनौती पेश कर पाते, पुलिस ने असम राइफल्स और अन्य अर्द्धसैन्य बलों के साथ मिलकर इंफाल घाटी और पर्वतीय क्षेत्र के विभिन्न जिलों से इन हथियारों को जब्त कर लिया।

मोती की खेती: किसानों को मिल रहा सीपियों को सोने में बदलने का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड तेजी से भारत के मीठे पानी के मोती उत्पादन केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार और केंद्र इस विशिष्ट क्षेत्र को ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए आजीविका के एक प्रमुख अवसर में बदलने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं।

इस परिवर्तन को तब गति मिली जब केंद्र ने झारखंड सरकार के सहयोग से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 22 करोड़ रुपए के निवेश के साथ हजारीबाग को प्रथम मोती उत्पादन क्लस्टर के रूप में विकसित करने की अधिसूचना जारी की। राज्य योजना के तहत 2019-20 में एक पायलट (प्रायोगिक) परियोजना के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब कौशल विकास पर केंद्रित एक संरचित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो गया है, जिसमें किसानों को मोती की खेती की जटिल कला सिखाने के लिए राज्य भर में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष से 2024 में रांची में स्थापित, पुर्टी एग्रोटेक प्रशिक्षण केंद्र, इस प्रशिक्षण क्रांति का केंद्र बनकर उभरा है। यह केंद्र अब तक राज्य भर के 132 से ज़्यादा किसानों को उन्नत मोती उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण दे चुका है, और ये प्रशिक्षित किसान अब अपने-अपने ज़िलों में दूसरों को भी अपना ज्ञान दे रहे हैं, जिससे कई गुना ज़्यादा फ़ायदा हो रहा है।

एनआईटी जमशेदपुर के मैकेनिकल इंजीनियर बुधन सिंह पूर्ति ने कहा, प्रशिक्षण सफल मोती उत्पादन की रीढ़ है। हम गोल मोती उत्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि इससे डिजाइनर मोतियों की तुलना में अधिक लाभ मिलता है। पूर्ति प्रशिक्षण केंद्र चलाते हैं और गोल मोती उत्पादन में राज्य में मोती तराशने वाले कुछ विशेषज्ञों में से एक बन गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम कुशल सर्जिकल ग्राफ्टिंग तकनीकों, विशिष्ट उपकरणों के उपयोग और शल्य चिकित्सा के बाद सावधानीपूर्वक प्रबंधन पर ज़ोर देते हैं।

सुविचार

जो मन से पढ़ाई करता है, वो न केवल परीक्षा पास करता है बल्कि जीवन भी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकतंत्र की रक्षा सबकी जिम्मेदारी

बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान 'विदेशी नागरिकों' की मौजूदगी संबंधी खबरें इस बात का संकेत देती हैं कि अब केंद्र सरकार को लोकतंत्र की रक्षा के लिए कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। सबसे अहम सवाल तो यह है कि विदेशी नागरिक, खासकर बांग्लादेशी यहां आकर मतदाता सूची में नाम कैसे जुड़वा लेते हैं? क्या बिहार में स्थानीय प्रशासन इस कदर लापरवाह है कि कोई भी आकर मतदाता बन जाता है? यह सवाल सिर्फ बिहार से जुड़ा हुआ नहीं है। पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम, राजस्थान समेत कई राज्यों में लोगों की शिकायतें हैं कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या आकर वहां के मतदाता बन गए ... उन्होंने राशन कार्ड, आधार कार्ड समेत सभी जरूरी दस्तावेज बनवा लिए! अवैध प्रवासियों का आना और बसना उस इलाके की कानून व्यवस्था के लिए ही खतरा नहीं होता, इससे लोकतंत्र के समक्ष गंभीर चुनौतियां भी पैदा हो सकती हैं। कुछ राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए इन्हें वोटबैंक बना लेते हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो भविष्य में वह इलाका ही नहीं, इस देश का लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है। अपने लिए बेहतर जीवन स्तर की कामना करते हुए किसी उम्मीदवार से सवाल पूछना, उसे वोट देना, मतगणना के आंकड़ों का विश्लेषण करना – यही लोकतंत्र नहीं है। लोकतंत्र उस वृक्ष की तरह है, जिसे निरंतर सींचना होगा और उसकी रक्षा भी करनी होगी। अगर कोई विदेशी 'तत्त्व' यहां आकर फर्जी नाम और पहचान के साथ इसकी छाया में बैठे और मौका पाकर जड़ें खोदने लग जाए तो अंजाम क्या होगा?

अगर हम लोकतंत्र की रक्षा करेंगे तो ही वह हमारी रक्षा कर सकेगा। यह किसी एक व्यक्ति, एक एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इस मुद्दे पर सबको बात करनी होगी। यह सोचकर खामोश रहने से काम नहीं चलेगा कि 'मुझे कोई मतलब नहीं है'। भारत सरकार को सख्त कानून बनाने होंगे, ताकि अवैध प्रवासी हतोत्साहित हों। जो लोग उनकी घुसपैठ, परिवहन, फर्जी दस्तावेज बनवाने, आश्रय देने में मदद करते हैं, उन्हें भी कठोर दंड मिलना चाहिए। ये लोग चंद रुपयों के लालच में देश की सुरक्षा और अखंडता के साथ बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं। मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में होना चाहिए। एक भी अवैध प्रवासी को यहां रहने की अनुमति क्यों हो? वह हमारी चुनाव प्रणाली का हिस्सा क्यों होना चाहिए? जिन बांग्लादेशियों ने अपने मुल्क में लोकतंत्र का सर्वनाश कर दिया, वे हमारे लोकतंत्र के साथ क्या करेंगे? कभी सोचा है? लोकतंत्र एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसमें नागरिकों के अधिकार ज्यादा हैं तो कर्तव्य भी ज्यादा हैं। यह सुनिश्चित करना नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि न कोई व्यक्ति गलत तरीके से चुनाव जीत पाए और न ही गलत तरीके से मताधिकार हासिल कर पाए। अगर दोनों में से किसी भी जगह गड़बड़ हुई तो खामियाजा नागरिकों को भुगतना होगा। भारत में आम आदमी को राशन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवाने तथा बैंक खाता खुलवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। डिजिटलीकरण की वजह से प्रक्रिया थोड़ी आसान जरूर हुई है, लेकिन इन कार्यों में समय लगता है। वहीं, बांग्लादेशी और रोहिंग्या हमारे देश में घुसपैठ करने के बाद ये सारे दस्तावेज आसानी से हासिल कर लेते हैं! भारत सरकार को प्रशासन में व्याप्त खामियों को दूर करना होगा। अगर अवैध प्रवासियों के मुद्दे की ओर अब गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो बहुत देर हो जाएगी।

ट्वीटर टॉक

कोटा के इटावा में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारजनों को यह असीम पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।

–दीया कुमारी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा चार सदस्यों श्री उज्ज्वल निकम जी, श्री हर्षवर्धन श्रृंगला जी, डॉ. मीनाक्षी जैन जी एवं श्री सी. सदानंदन मास्टर जी को राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर नवमनोनित राज्यसभा सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

–अर्जुनराम मेघवाल

जोधपुर सर्किट हाउस में आज जलदाय विभाग के अधिकारियों से शहर की जल संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा के दौरान मैंने स्पष्ट किया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों दोनों में ही जल आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जीवनशैली का प्रभाव

एक संत अपने शिष्य के साथ वन में घूम रहे थे। उन्होंने देखा कि सामने से कुलाचें भरता हिरण आया और जल्दी ही गायब हो गया। कुछ ही क्षणों बाद खरगोश का जोड़ा मस्ती के साथ दौड़ता हुआ दिखाई पड़ा। इसी बीच एक व्यक्ति हाथ में लाठी लिए हुए उधर से निकला। वह बड़ी मुश्किल से चल रहा था। झुर्रियों से भरा उसका पीला चेहरा देखकर शिष्य दुखित हो उठा। उसने संत जी से पूछा, 'महाराज, हिरण, खरगोश और अन्य पशु–पक्षी कभी बीमार नहीं होते, वे मस्ती में कुलाचें भरते हुए दिखाई पड़ते हैं। जबकि मनुष्य प्रायः किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त दिखाई देते हैं। इसका मुख्य कारण क्या है?' संत जी ने शिष्य को समझाया, 'वत्स, पशु–पक्षी प्रकृति के अनुसार चलते हैं। जैसे खरगोश और हिरण भूख लगने पर स्वाद की चिंता किए बिना हरी–हरी घास खाकर पेट भर लेते हैं, और दौड़–दौड़कर खाया–पिया पचा लेते हैं, इसलिए वे कभी बीमार नहीं होते। जबकि मनुष्य ने 'जीने के लिए खाने' के बजाय 'स्वादिष्ट और चटपटे पदार्थ खाना जीने' का उद्देश्य बना लिया है। वह अपनी जिह्वा और अन्य इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं रख पाता, यही उसकी शारीरिक और मानसिक विकृति का मुख्य कारण बनता है।'

सामयिक

भूगर्भ में अंगड़ाई लेती नदी के नए प्रमाण

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा जारी उत्खनन में 5500 से भी ज्यादा साल पुरानी प्राचीन भारतीय सभ्यता के अनेक अवशेष मिले हैं। इनमें सबसे प्रमुख ऋग्वेद में वर्णित सबसे प्रसिद्ध सरस्वती नदी प्रणाली के ठोस प्रमाण एक बार फिर मिले हैं। इस खुदाई में ब्राह्मी लिपि की मोहरों, मूर्तियों, हड्डी के औजार, शंख, मोती, चूड़ियां और सिक्कों के साथ मिट्टी के खंभों से बने भवन, ईंटों की परतदार दीवारों वाली खंदकें, भट्यि एवं यज्ञवेदियां भी मिले हैं। इन साक्ष्यों से प्रमाणित होता है कि उस समय के लोग वास्तुकला के साथ धातु विज्ञान और हथियार बनाने में दक्ष थे। ऋग्वेद में वर्णित सिंधु–सारस्वत सभ्यता में इन सब वस्तुओं और सरस्वती नदी से जुड़े अनेक मंत्र मिलते हैं। इन्हीं मंत्रों से प्राचीन आर्यावर्त का भूगोल, समाज, जीवनशैली और आर्य व अनार्यों के संघर्ष से जुड़ी अनेक गाथाओं का जीवंत चित्रण है। इन अवशेषों और नदी–तंत्र को 3500 ईसा पूर्व से 1000 ईसापूर्व तक की सभ्यता के प्रमाण माना जा रहा है।

वैदिक कालीन नदी सरस्वती के अस्तित्व और उसकी भूगर्भ में अंगड़ाई ले रही जलधारा को लेकर भूगर्भशास्त्री, पुरातत्ववेत्ता और इतिहासकारों में लंबे समय से मतभेद बना रहा है। यह मतभेद सैटेलाइट मैंपिग के बावजूद कायम रहा। यहां तक कि 6 दिसंबर 2004 को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री ने संसद में भी यह घोषणा कर दी थी कि इस नदी का कोई मूर्त प्रमाण नहीं है। यह मिथकीय है। दरअसल ये विरोधाभास किसी शोध के निष्कर्ष से कहीं ज्यादा वामपंथी सोच को पुख्ता करने के नजरिए से सामने आते रहे हैं, जिससे भारत की प्राचीन ज्ञान–परंपरा को नकारा जा सके। किंतु अब न केवल हरियाणा के यमुनानगर जिले के आदिबद्री में सरस्वती का उद्गम स्थल खोज लिया गया है, बल्कि मुगलवाली गांव में धरातल से सात फीट नीचे तक खुदाई करके नदी की जलधारा भी खोज निकाली है। इस धारा का रेखामय प्रवाह तीन किमी की लंबाई में नदी के रूप में सामने आया था। एक मृत पड़ी नदी के इस पुनर्जीवन से उन सब अटकलों पर विराम लगा है, जो वेद–पुरणों में वार्णित इस नदी को या तो मिथकीय ठहराते थे या इसका अस्तित्व अफगानिस्तान की हेलमंद नदी के रूप में मानते थे।

सरस्वती की भौगोलिक स्थिति का बखान ऋग्वेद, शतपथ ब्राह्मण महाभारत, ऐतरेय ब्राह्मण, भागवत और विष्णु पुराणों में है। ऋग्वेद में सप्तसिंधु क्षेत्र की महिमा को प्रस्तुत करते हुए जिन सात नदियों का वर्णन किया गया है, उनमें से एक सरस्वती है। अन्य छह शतद्रु; सतलुज, विपासा; व्यास, असिकिनी; चिनाव, पुरुष्णी; रावी वितस्ता; झेलम द्ध और सिंधु नदियां हैं। इनमें सरस्वती और सिंधु बड़ी नदियां थीं। सतलुज और यमुना सरस्वती की सहायक नदियां रही हैं। सरस्वती का प्रवाह पूरब से पश्चिम की ओर था, लेकिन हजारों साल पहले आए भयंकर भूकंप के कारण यमुना और सतुलज सरस्वती से अलग हो गईं। इन दोनों नदियों के मार्ग बदलने के बाद सरस्वती धीरे–धीरे अस्तित्व खोती हुई भूगर्भ में विलीन हो गई। कुछ भूगर्भशास्त्रियों का ऐसा मानना है कि 12 हजार साल पहले तक नदी स्वच्छ जलधारा के रूप में प्रवाहमान थी। लेकिन ऋग्वेद और अन्य प्राचीन ग्रंथों में सरस्वती की महिमा का गुणगान है, उससे लगता है पांच से सात हजार साल पहले तक यह नदी धरा पर बहती थी। क्योंकि नदी के धरती की कोख में समा जाने का वर्णन ऋग्वेद में नहीं है। जबकि ऋग्वेद की 60 ऋचाओं में सरस्वती का उल्लेख है। इनमें कहा गया है,सरस्वती हिमालयी पर्वतों से निकलकर, सप्तसिंधु क्षेत्र में बहती हुई कच्छ के रण में जाकर समुद्र में गिरती है। यह क्षेत्र वर्तमान में पाकिस्तान और भारत के पंजाब व हरियाणा में है।

किंतु सरस्वती का जो वर्णन महाभारत में है, उसमें इस नदी के विलोप होने के संकेत मिलते हैं। महाभारत के अनुसार सरस्वती समुद्र में समाने से पहले राजस्थान के रेगिस्तान विनसन में ही लुप्त हो जाती है। विष्णु पुराण में नदी के सिमटने के संकेत कवश नाम के एक मल्लाह द्वारा सरस्वती की वंदना करने की कथा के रूप में मिलते हैं। इस कथा के अनुसार पृथु द्वारा कराए जा रहे यज्ञ में जब कवश ने हिस्सा लेने की कोशिश की तो ऋषियों ने उसे बाहर कर दिया। निराश कवश ने मरुस्थल में जाकर सरस्वती की स्तुति की। फलतः सरस्वती की जलधार उसके चारों और फूट पड़ी। इस चमत्कार से प्रभावित होकर ऋषियों ने कवश को यज्ञ में भागीदारी करने की अनुमति दे दी। यही कथा ऐतरेय ब्रह्मण और भागवत पुराण में भी कही गई है।

कॉर्बन डेटिंग भी इस तथ्य की पुष्टि करती है कि 2000 से 1800 वर्ष ईसा पूर्व यह नदी विलुप्त हुई। महाभारत, विष्णु पुराण, भागवत पुराण और ऐतरेय ब्राह्मण ग्रंथों की रचना लगभग इसी समय हुई बताई जाती है। साफ है, प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में सरस्वती का जो वर्णन है, वह कपोल कल्पित न होते हुए, वास्तविक है। नदी के सूखने के बाद हड़प्पा–मोहनजोदड़ो संस्कृति के उपासक गंगा यमुना के मैदानों की और पलायन कर गए। चूंकि इन लोगों की स्मृति में सरस्वती जीवंत थी, इसलिए इन्होंने प्रयाग में त्रिवेणी स्थल पर गंगा और यमुना के साथ सरस्वती के अंतसलिला होने की कथा गढ़ ली। सिंधु घाटी सभ्यता का नाम, हालांकि सिंधु नदी के नाम पर पड़ा था। इसे ही सरस्वती संस्कृति, सरस्वती सभ्यता और सिंधु सरस्वती सभ्यता के नामों से जाना जाता है। इसी सभ्यता में हड़प्पा संस्कृति फली–फूली थी। ऋग्वेद में हड़प्पा दुर्ग की गाथा हरियूपिया नाम से मंत्रों में कही गई है।

प्राचीन ग्रंथों में दर्ज सरस्वती के अस्तित्व को लेकर देशी–विदेशी भूविज्ञानी और भारतीय संस्कृति के अध्येता इसकी शोध और जमीनी खोज में जुटे रहे हैं। फ्रांस के भूविज्ञानी विवियेन सेंट मार्टिन ने वैदिक भूगोल की रचना की थी। 1860 में लिखी इस पुस्तक में सरस्वती के साथ घग्गर और हाकड़ा की भी पहचान की थी। इसके बाद 1886 में अंगेजी हुकूमत ने भारत का भौगोलिक सर्वेक्षण कराया था। इसके अधीक्षक आरडी ओल्ढम की रिपोर्ट बंगाल के एशियाटिक सोसायटी जर्नल में छपी थी। इस रिपोर्ट में सरस्वती के नदी तल और इसकी सहायक नदियों, सतुलज व यमुना के पथ रेखांकित किए गए है। 1893 में इस रिपोर्ट ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक सीएफ ओल्ढम को प्रभावित किया। ओल्ढम ने इसी जर्नल में सरस्वती के भूगर्भ में उपस्थित होने की पुष्टि की है। साथ ही घग्घर और हाकड़ा के सूखे पथों का भी ब्यौरा दिया है। ये नदियां पंजाब में बहती थीं। पंजाब की लोकश्रुतियों में आज भी ये नदियां विद्यमान हैं। इन्हीं नदियों के पथ पर एक समय सरस्वती बहती थी। इसके बाद 1918 में टैसीटोरी, 1940–41 में औरेल स्टाइन और 1951–53 में अमलानंद घोष ने सरस्वती की खोज में अहम भूमिका निभाई। इन सब विद्वानों ने अपने निष्कर्षों में सिद्ध किया कि सरस्वती के विलोपन का मुख्य कारण सतलुज और यमुना की धार बदलना था। सतलुज की धार सरस्वती से अलग होकर सिंधु में जा मिली। लगभग इसी समय यमुना ने भी अपनी धारा का प्रवाह बदल दिया और वह पश्चिम अपने बहने का रुख बदलकर पूर्व में बहकर गंगा में जा मिली। नतीजतन सरस्वती सूखती चली गई।

बाद में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने इस विलुप्त नदी को खोजने की पहल की। 15 जून 2002 को केंद्रीय संस्कृति मंत्री जगमोहन ने सरस्वती के नदी तलों का पता लगाने के लिए खुदाई की घोषणा की। इस खोज को संपूर्ण वैज्ञानिक धरातल देने की दृष्टि से इसमें इसरो के वैज्ञानिक बलदेव साहनी, पुरातत्वविद एस कल्याण रमन हिमशिला विशेषज्ञ वाईके पुरी और जल सलाहकार माधव चितले को शामिल किया गया। हरियाणा में आदिबद्री से लेकर भगवान पुरा तक पहले चरण में और भगवान पुरा से लेकर राजस्थान सीमा पर स्थित कालीबंगा की खुदाई प्रस्तावित थी। यह खोज कोई ठोस परिणाम दे पाती इससे पहले राजग सरकार गिर गई और डॉ मनमोहन के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने 6 दिसंबर 2004 को संसद में यह बयान देकर कि इस नदी का कोई मूर्त रूप नहीं है, इसे मिथकीय नदी ठहरा दिया। नतीजतन वाजपेयी सरकार की पहल अधूरी रह गई।

लेकिन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दर्शन लाल जैन सरस्वती शोध संस्थान की अगुवाई में नदी की खोज की सार्थक पहल करते रहे। उन्होंने अपनी खोज के दो प्रमुख आधार बनाए। एक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में प्राचीन इतिहास विभाग के प्राध्यापक रहे डॉ विष्णु श्रीधर वाकणकर की सरस्वती खोज पदयात्रा और दूसरा 2006 में आए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के सर्वे खुदाई को। वाकणकर की यात्रा आदि बद्री से शुरू होकर गुजरात के कच्छ के रण पर जाकर समाप्त हुई।

ओएनजीसी ने डॉ एमआर राव के नेतृत्व में सरस्वती के पथ व नदीतलों के पहले तो उपग्रह–मानचित्र तैयार किए, फिर धरातलीय साक्ष्य जुटाए। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के काला अंब के पास सरस्वती टियर फाल्ट का गंभीर अध्ययन किया। अध्ययन के परिणाम में पाया कि हजारों साल पहले आए भूकंप के कारण यमुना और सतलुज ने अपने मार्ग बदल दिए थे। यमुना पूरब में बहती हुई दिल्ली पहुंच गई और सतलुज पश्चिम होते हुए सिंधु नदी में जा मिली। जबकि पहले इन दोनों नदियों का पानी सरस्वती में मिलकर हरियाणा, राजस्थान व गुजरात होते हुए कच्छ में मिलता था।

अवशेशीय अध्ययन के बाद ओएनजीसी ने राजस्थान के जैसलमेर से सात किलोमीटर दूर जमीन में करीब 550 मीटर तक गहरा छेद किया। यहां %600 लीटर प्रति घंटे की दर से स्वच्छ जल निकला। इस प्रमाण के बाद ओएनजीसी ने भारत विभाजन के बाद भारतीय पुरातत्व संस्थान द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण का भी अध्ययन किया। इससे पता चला कि हरियाणा व राजस्थान में करीब 200 स्थलों पर सरस्वती के पानी के निशान हैं। डीग में एक बार फिर सरस्वती के नए प्रमाण मिलने से इसके ऋग्वैदिक अस्तित्व को प्रामाणिकता मिली है।

नजरिया

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार–बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर–सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र–विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 3%0 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम–सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर–एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण–लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि जो सरकार करे, उसका विरोध करो', चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मज़ाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की ज़रूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे–धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण संविधान सम्मत प्रक्रिया है और इसे बाधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को न केवल वैध बताया, बल्कि उसे लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी बताया। यह फैसला यह भी दर्शाता है कि अब समय आ गया है जब चुनावी ईमानदारी को राजनीतिक शोरगुल और वोट बैंक की राजनीति के शोर में दबाया नहीं जा सकता। विपक्ष की प्रतिक्रिया लगभग स्वचालित होती जा रही है, चाहे मुद्दा हो आर्थिक सुधार का, रक्षा नीति का, विदेश नीति का, या अब मतदाता सूची सुधार का। प्रश्न यह उठता है कि क्या हर सुधार प्रक्रिया, चाहे वह कितनी भी लोकतांत्रिक या पारदर्शी हो, विपक्ष के लिए मात्र एक राजनैतिक खतरा है? विपक्ष का यह रवैया यह दर्शाता है कि उसे संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा कम और अपनी राजनीतिक गणनाओं पर भरोसा अधिक है।

एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे बड़ा अधिकार है वोट देना। यदि कोई सुधार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि एक भी फर्जी वोटर सूची में न हो, कोई भी योग्य मतदाता छूटे नहीं, जाति, धर्म या राजनीति से ऊपर उठकर नागरिकता के आधार पर मतदाता सूची बने, तो फिर उसका विरोध क्यों?विपक्ष इस डर से ग्रस्त है कि यदि मतदाता सूची साफ–सुथरी हो गई, तो उनके कथित परंपरागत वोट बैंक कमजोर हो सकते हैं। उन्हें डर है कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। लेकिन यह तर्क लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। 'लोकतंत्र जो है, उसे प्रतिबिंबित करे',' न कि जो चाहिए, उसे निर्मित करे'।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मिजोरमः रेलवे ने 26 साल पुराने सपने को हकीकत में बदला, बैराबी-सैरंग रेल लाइन तैयार

आइजोल/भाषा। मिजोरम की राजधानी आइजोल के लिए किसी जमाने में सपना रही बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन आखिरकार हकीकत में तब्दील हो गयी है। बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन की परिकल्पना सितंबर 1999 में की गयी थी और 26 वर्ष के अंतराल के बाद संरेखण, छोटे-छोटे अंतराल पर कार्य होने और लगातार भूस्खलन जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों को पार करते हुए आइजोल देश के रेलवे मानचित्र पर आ गया है। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ने 1999 में जो सपना देखा था, वह इस वर्ष जून में हकीकत में बदल गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस 51.38 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे।

दस्तावेजों के मुताबिक, इंजीनियरों को जब 1999 में पता चला कि घने जंगल, कम दृश्यता और अन्य स्थानीय समस्याओं के कारण प्रारंभिक सर्वेक्षण संभव नहीं है, तो एक सर्वे कराने पर सहमति बनी, जिसमें मोटे तौर पर मार्ग का आकलन करना शामिल था। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक इंजीनियरिंग-सह-यातायात सर्वेक्षण (पीईटी) के तहत मार्ग की विस्तृत जांच की जाती है। पीईटी सर्वेक्षण को व्यवहार्य न पाए जाने पर बोर्ड से इसे सर्वेक्षण इंजीनियरिंग-सह-यातायात (आरईटी) सर्वे में बदलने का अनुरोध किया गया, जिस पर रेलवे बोर्ड ने 15 जुलाई, 2003 को सहमति व्यक्त की। उन्होंने बताया, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने बैराबी-सैरंग रेल संपर्क के लिए आरईटी सर्वेक्षण मार्च 2006 में किया था। इसके आधार पर, रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड (राइट्स) को 2008 में बैराबी-सैरंग तक एक नई 'ब्रॉड गेज' रेलवे लाइन के लिए निर्माण-पूर्व सर्वेक्षण और भू-तकनीकी जांच करने के लिए कहा गया था। राइट्स ने अगस्त 2011 में अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने इस परियोजना को मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी करार देते हुए 2008-09 में इसे 'राष्ट्रीय परियोजना' घोषित किया था। इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने 29 नवंबर, 2014 को परियोजना की आधारशिला रखी।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 2014-2015 तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली और एक वर्ष बाद 2015-16 में रेलवे ने निर्माण कार्य पूरे जोर-शोर से शुरू कर दिया। परियोजना के मुख्य अभियंता विनोद कुमार ने बताया, इस क्षेत्र में कार्य अवधि बहुत कम होती है और वर्ष में केवल चार-पांच महीने (नवंबर से मार्च तक) ही काम होता है। भारी बारिश के साथ मानसून की लंबी अवधि के कारण अप्रैल से अक्टूबर तक कोई कार्य संभव नहीं होता। उन्होंने बताया, यह मार्ग पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों से होकर गुजरता है, जिसके लिए सुरंगों और ऊंचे पुलों के निर्माण की आवश्यकता है। इसके अलावा, गुवाहाटी से सिलचर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात में बार-बार रुकावट के कारण निर्माण सामग्री को लाना ले जाना आज भी एक बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इमरान खान की जेल से रिहाई के लिए आंदोलन शुरू किया

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की रिहाई की मांग को लेकर 'इमरान खान को आजाद करो' आंदोलन शुरू किया है। पार्टी ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, पुलिस ने अनौपचारिक रूप से शुरू किए गए इस आंदोलन में पार्टी कार्यकर्ताओं को शामिल होने से रोकने के लिए कई गिरफ्तारियां की हैं। आंदोलन की यह अनौपचारिक शुरुआत पार्टी की पूर्व घोषित तिथि पांच अगस्त से एक महीने से भी कम समय पहले हुई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और पार्टी के प्रमुख नेता अली अमीन गंडापुर पार्टी नेताओं के साथ शनिवार देर रात लाहौर पहुंचे और खान को रिहा करने के लिए आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। क्रिकेटर से राजनीतिक नेता बने 72 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, क्योंकि उन पर कई मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पांच अगस्त से देश भर में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है ताकि शहबाज शरीफ सरकार और सेना पर खान को रिहा करने का दबाव बनाया जा सके। अली अमीन और पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अपने विरोध अभियान को अंतिम रूप देने के लिए लाहौर के रायविंड इलाके में एक फार्महाउस में डेरा डाले हुए हैं। इस बीच, पुलिस ने कथित तौर पर कम से कम 20 पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, जो लाहौर में अलग-अलग जगहों पर अपने नेताओं का स्वागत करने के लिए इकट्ठा हुए थे। पार्टी के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि पंजाब पुलिस ने उसके कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा, पुलिस पिछले कुछ दिनों से पंजाब प्रांत, खासकर लाहौर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी कर रही है ताकि उन्हें विरोध प्रदर्शन गतिविधियों में हिस्सा लेने से रोका जा सके। पंजाब पुलिस के एक प्रवक्ता ने खान की पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी से इनकार किया। हालांकि, एक पुलिस सूत्र ने बताया कि लाहौर और अन्य जगहों से पार्टी के कम से कम 20 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

भारतीय तय सीमा से अधिक नमक का कर रहे हैं सेवन, इस संबंध में अध्ययन शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीयों द्वारा अत्यधिक नमक का सेवन भारत में एक मूक महामारी का रूप ले रहा है, जिससे लोगों में उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, हृदय रोग और गुर्दे की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी है। वैज्ञानिकों ने इस समस्या के समाधान के लिए समुदाय-आधारित नमक कटौती अध्ययन शुरू किया है तथा कम सोडियम वाले नमक के विकल्पों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने प्रति व्यक्ति प्रति दिन पांच ग्राम से कम नमक का सेवन की सिफारिश की है, जबकि अध्ययनों में खुलासा हुआ है कि शहरों में रहने वाले भारतीय लगभग 9.2 ग्राम/दिन का उपभोग करते हैं,जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह लगभग 5.6 ग्राम/दिन है। इस प्रकार पूरे देश में नमक का सेवन अनुशंसित मात्रा से अधिक है।

राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख अन्वेषक डॉ. शरण मुरली ने कहा कि इस स्थिति को बदलने की एक उम्मीद कम सोडियम वाले नमक हैं। यह नमक का वह स्वरूप होता है, जिसमें सोडियम क्लोराइड के एक भाग को पोटेशियम या मैग्नीशियम लवण से प्रतिस्थापित किया जाता है।

डॉ. मुरली ने कहा,सोडियम का कम सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और समग्र हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है। इस प्रकार कम सोडियम वाले विकल्प एक सार्थक विकल्प बन जाते हैं, विशेष रूप से उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए। उन्होंने कहा, केवल कम सोडियम वाले नमक पर स्विच करने से रक्तचाप औसतन 7/4 मिलीमीटर ऑफ मरक्यूरी तक कम हो सकता है। यह एक छोटा सा बदलाव है, जिसका प्रभाव बड़ा होता है। उच्च नमक उपभोग की समस्या से निपटने के लिए, एनआईई ने पंजाब और तेलंगाना में तीन वर्षीय हस्तक्षेप परियोजना शुरू की है। इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद का समर्थन प्राप्त है। अध्ययन में शामिल एनआईई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गणेश कुमार ने बताया कि इसका लक्ष्य स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा दिए जाने वाले नमक कटौती परामर्श की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है, जो उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों में रक्तचाप और सोडियम सेवन को कम करने में सहायक है। डॉ. कुमार ने कहा, हम वर्तमान में परियोजना के प्रथम वर्ष में हैं, जिसमें आधारभूत आकलन और क्षेत्रीय तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। डॉ. मुरली ने कहा, परामर्श सामग्री को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हमारा लक्ष्य सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हस्तक्षेप पैकेज तैयार करना है, उनके अनुभवों का उपयोग करना है और उनके सुझावों को शामिल करना है। यह सिर्फ स्वास्थ्य शिक्षा देने के बारे में नहीं है – यह सुनने, समझने और साथ मिलकर निर्माण करने के बारे में है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हस्तक्षेप वास्तविकता पर आधारित हैं, एनआईई ने कम सोडियम वाले नमक की उपलब्धता और मूल्य निर्धारण का आकलन करने के लिए चेन्नई में 300 खुदरा दुकानों पर एक बाजार सर्वेक्षण किया।

हिंदी-मराठी भाषा विवाद पर अजय देवगन ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है। इस एक्शन-कॉमेडी ड्रामा में अजय के साथ मृणाल ठाकुर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन मीडिया से सामने आये और सिर्फ फिल्म के बारे में ही नहीं, बल्कि कई समसामयिक और विवादित मुद्दों पर भी बेझिझक अपनी राय रखी। उनका बेबाक अंदाज़ एक बार फिर दर्शकों और प्रशंसकों को प्रभावित कर गया। जब मीडिया ने अजय देवगन से दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' और उससे जुड़े विवादों को लेकर सवाल किए, तो उन्होंने इस पर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी। गौरतलब है कि फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर को कास्ट किए जाने को लेकर खासा विवाद हुआ है, खासकर हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद। इसी को लेकर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने दिलजीत पर बैन लगाने की मांग भी की थी।

इस पर अजय देवगन ने कहा, मैं यह तय नहीं कर सकता कि कौन सही है और कौन गलत। हर किसी का अपना नजरिया होता है। बेहतर यही होगा कि सभी पक्ष बैठकर इस

मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करें और कोई समाधान निकालें। मैं किसी पर आरोप लगाना नहीं चाहता और न ही किसी को दोषी ठहराना चाहता हूं। मेरा मानना है कि किसी भी विवाद को टकराव से नहीं, संवाद से सुलझाया जा सकता है।हाल ही में महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर छिड़े विवाद ने काफी तूल पकड़ लिया है। स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के फैसले पर कई लोगों ने सवाल उठाए हैं।

जब इसी मुद्दे पर अजय देवगन से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपने मशहूर 'सिंघम' अंदाज में मुस्कराते हुए जवाब दिया, आता माझी सटकली। उनके इस जवाब पर वहां मौजूद कई फैन्स हंस पड़े और थोड़ी देर के लिए माहौल हल्का हो गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान अजय देवगन ने बेहद संयम और शांति के साथ अपनी बात रखी। उन्होंने किसी पर आरोप लगाने से बचते हुए यही सुझाव दिया कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों को बातचीत के ज़रिए सुलझाया जाना चाहिए। फैन्स को उनका शांत और परिपक्व रवैया काफी पसंद आया और सोशल मीडिया पर भी उनके इस व्यवहार की तारीफ की जा रही है। अगर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की रिलीज़ की बात करें तो यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 25 जुलाई 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बार फिल्म में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिलेगा, जहां पहले भाग में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं, वहीं सीक्वल में उनकी जगह मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, जो अजय देवगन के साथ नई जोड़ी के तौर पर स्क्रीन पर दिखाई देंगी।

मैच

ब्रिटेन की राजकुमारी कैथरीन रविवार को ब्रिटेन में होने वाली विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप में पोलैंड की इगा स्वियाटेक और संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के बीच महिला एकल फाइनल देखती हुईं।

मुलाकात

तिरुवनंतपुरम में रविवार को श्रीकार्यम राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले अफ़ग़ान छात्र रविवार को तिरुवनंतपुरम स्थित केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की।

एक विज्ञापन ने मधु सप्रे की बदल दी जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

मधु सप्रे 1990 के दशक में भारत की मॉडलिंग और ग्लैमर की दुनिया के चर्चित नामों में से एक है। उन्होंने अपनी खूबसूरती, स्टाइल और हिम्मत के चलते मॉडलिंग की दुनिया में खास पहचान बनाई। 1992 में मिस इंडिया बनीं और 'मिस यूनिवर्स' जैसी बड़ी प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, यहां वो दूसरी रनर-अप रहीं। वह करियर में अपना नाम कमा रही थीं, लेकिन इस बीच एक विज्ञापन के कारण वह विवादों में आ गईं, जिसका असर उनके न सिर्फ करियर पर, बल्कि जीवन पर भी पड़ा। मधु सप्रे का नाम सबसे ज्यादा उस समय सुर्खियों में आया, जब उन्होंने अपने उस समय के अपने बॉयफ्रेंड और मशहूर मॉडल मिलिंद सोमन के साथ जूते की कंपनी फीनिक्स के लिए एक बोल्ड फोटोशूट किया।

इस विज्ञापन में दोनों के शरीर पर एक अजगर सांप लिपटा हुआ था और उन्होंने सिर्फ उस कंपनी के जूते पहने हुए थे। इस विज्ञापन ने उस वक्त बड़ा विवाद खड़ा किया था, क्योंकि उस समय भारत में इस तरह के फोटोशूट को समाज और मीडिया दोनों ही गलत समझते थे। कई लोगों ने इसे अश्लीलता करार दिया।

यह विवाद इतना बढ़ा कि मुंबई पुलिस ने उनके खिलाफ अश्लीलता फैलाने का केस दर्ज कर लिया। यह मामला लगभग चौदह साल तक कोर्ट में चला। इस दौरान मधु और मिलिंद दोनों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। कोर्ट के इस फैसले ने भारत में ग्लैमर और बोल्डनेस के विषय पर एक नई बहस छेड़ दी। मधु सप्रे ने इस मामले पर एक इंटरव्यू में कहा था कि यह फोटोशूट उनके करियर का एक हिस्सा था और इसमें कुछ भी गलत या अश्लील नहीं था।

14 जुलाई 1971 को महाराष्ट्र के नागपुर शहर में जन्मी मधु बचपन में एथलीट बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत ने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया में लाकर खड़ा कर दिया। एक दिन मशहूर फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने उनकी खूबसूरती और स्टाइल देख उन्हें मॉडलिंग में आने का सुझाव दिया। गौतम ने मधु के कुछ फोटोशूट भी किए। उस समय मधु की उम्र महज 19 साल थी। फोटोज में खुद को देख मधु ने एथलीट बनने का सपना त्याग दिया और मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। अपनी मेहनत और अलग अंदाज से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 1992 में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब जीतकर देश भर में पहचान बनाई।

मधु ने उसी साल 'मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता' में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनके करियर का बड़ा मुकाम था। इसके बाद उन्हें कई विज्ञापनों के ऑफर मिलने लगे और वह जल्दी ही मॉडलिंग की दुनिया की चमकती हुई सितारा बन गईं। लेकिन टफ शूज के विज्ञापन ने उन्हें विवादों में फंसा दिया। मधु ने बॉलीवुड में भी डेब्यू किया। उन्होंने 2003 में फिल्म 'बूम' में अमिताभ बच्चन और कटरीना कैफ के साथ काम किया, लेकिन यह उनकी पहली और आखिरी फिल्म रही। मधु ने 2001 में इटली के बिजनेसमैन जियान मारिया से शादी की और अब वह इटली में अपने परिवार के साथ रह रही हैं। एक बेटी, जिसका नाम इंदिरा है, के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही है।

सिनेमा हॉल में देखी फिल्में दिलो दिमाग पर छा जाती थीं : काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'गुप्त', 'इश्क', 'दुश्मन', और 'कुछ कुछ होता है' जैसी यादगार फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि पहले के जमाने में फिल्मों का असर लोगों पर ज्यादा होता था, क्योंकि सिनेमा हॉल ही एकमात्र जगह होती थी जहां लोग अपने पसंदीदा सितारों को देख सकते थे। उस वक्त टीवी या मोबाइल पर फिल्में आसानी से नहीं मिलती थीं, इसलिए लोग फिल्मों को बहुत खास मानते थे और उनकी यादें भी लंबे समय तक बनी रहती थीं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन से फिल्मों को लेकर उत्साह और याददाश्त पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं। जब काजोल से पूछा गया कि आज रिलीज हुई फिल्मों की याददाश्त पहले वाली फिल्मों जैसी क्यों नहीं है, इस पर काजोल ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि आज भी कुछ फिल्में अच्छी और याद रखने लायक होती हैं, लेकिन शायद उनकी संख्या कम है। मैं ये नहीं कहूंगी कि आज ऐसी कोई फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पहले समय में सिर्फ सिनेमा हॉल ही एकमात्र तरीका था अपने पसंदीदा सितारों को देखने का। अगर किसी को शाहरुख खान को देखना होता था, तो उसे थिएटर जाना पड़ता था। अगर कोई अजय देवगन का फैन होता था, तो वो भी उन्हें देखने सिनेमा हॉल जाता था। अभिनेत्री ने कहा, उस समय न सोशल मीडिया था, न ओटीटी। कुछ भी नहीं था। अगर किसी को अपने पसंदीदा अभिनेता या अभिनेत्री को देखना होता था, तो उन्हें सिनेमा हॉल जाना होता था। जब किसी चीज को देखने या अनुभव करने का सिर्फ एक ही तरीका होता है, तो वही अनुभव सबसे गहरी याद बन जाता है। उन्होंने कहा, जब किसी चीज को देखने के लिए 15 अलग-अलग तरीके होते हैं, तो शायद वो उतनी गहराई से आपके दिल में नहीं बसती।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही कायोज ईरानी की फिल्म 'सरजमीन' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान डेब्यू कर रहे हैं। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। इसके अलावा, वह फिल्म 'महारागिनी- क्वीन ऑफ क्वीन' में भी दिखाई देंगी। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा।

मेरी सेहत ठीक है, कमजोरी महसूस नहीं कर रहाः करण जौहर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक करण जौहर ने कहा है कि उनकी सेहत ठीक है और उन्हें कभी कमजोरी या अस्वस्थता महसूस नहीं होती। जौहर का वजन इन दिनों काफी कम हो गया है और सोशल मीडिया पर इसी को लेकर वह चर्चा का विषय बने हुए हैं। 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम' और 'माई नेम इज खान' जैसी सुपरहिट फिल्में बनाने वाले जौहर ने कहा कि वह अपने स्वास्थ्य को लेकर ऑनलाइन हो रही चर्चा से वाकिफ हैं, लेकिन उन्होंने प्रशंसकों को आश्वस्त किया कि वह स्वस्थ हैं। फिल्म निर्माता ने 'धड़क 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''मेरा स्वास्थ्य ठीक है। मैं बहुत खुश हूं, उन्होंने कहा, ''और जो कुछ भी इंटरनेट उपयोगकर्ता कह रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं कई सालों तक जीना चाहता हूं, खासकर अपने बच्चों के लिए।

सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी की

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपनी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का अगला भाग है जिसमें सनी देओल के साथ सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अभिनेता ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मिशन पूरा! फौजी, साइन ऑफ कर रहा है! 'बार्डर 2' के लिए मेरी शूटिंग पूरी हुई। जय हिंद। इस पोस्ट में वह सैनिक की वर्दी में नजर आ रहे हैं। 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी-सीरीज़), कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने किया है। 'बॉर्डर 2' के अलावा देओल अपनी अगली फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे। फिल्म 'लाहौर 1947' में वह प्रीति जिंटा के साथ काम करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। इस फिल्म में ए आर रहमान का संगीत और जावेद अख्तर का गीत शामिल होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | सोमवार | 14-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सर्वप्रथम धर्म का मूल्यांकन करना सीखो, फिर स्वयं की गणना करना सीखो। धर्म के मूल्यांकन करने के तीन आधार बताए गए हैं पहला भौगोलिक आधार, दूसरा इतिहास और तीसरा संख्यात्मक आधार। भौगोलिक आधार पर देखा जाए तो संपूर्ण विश्व का भूगोल जांचा जाए तो धर्म करने योग्य क्षेत्र कितना अल्प है। असंख्य योजन का उर्ध्वलोक-अधोलोक एवं एक राज का तीर्यंच। फिर भी मोक्ष के अनंत सुख प्राप्त करने का स्थान मात्र ढाई दीप है।

परदेसी बदल गया गुरु शरण में : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने रविवार को चातुर्मास प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सुबह उठते ही यदि नवकार मंत्र का मन करे, तो समझ जाना कि पुण्य का उदय है, और यदि गाली देने का मन हो, तो यह पाप का उदय है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति प्रवचन सुनता है, वह भाग्यशाली होता है। प्रतिदिन सुबह उठकर सबसे पहले आगम के दर्शन करना चाहिए।

मुनिश्री ने यह भी बताया कि आज से परदेसी की कथा की शुरुआत हो रही है, जो कब समाप्त होगी, यह उन्हें भी नहीं पता। परदेसी परदेसी बदल गया गुरु शरण में गीत के साथ आरंभ हुई इस कथा में उन्होंने कहा कि यह कथा धर्म, कर्म और रिश्तों की कहानी है। उन्होंने समझाया कि रिश्तों की शुरुआत आदिनाथ भगवान के समय से मानी जाती है – उससे पहले रिश्ते केवल नाम मात्र के होते थे। रिश्ते हँसाने वाले भी होते हैं और रुलाने वाले भी। जब तक जीव मोक्ष को प्राप्त न कर ले, तब तक ये रिश्ते चलते रहते हैं, लेकिन कई बार यह रिश्ते नरक तक भी पहुँचा देते हैं। मुनिश्री ने कहा कि ज़िंदगी लूडो और सांप सीढी के खेल की तरह होती है जिसमें कभी ऊपर तो कभी नीचे। ऐसे समय में कदम पीछे नहीं, आगे बढ़ाना सीखो। कार्यक्रम का मंच संचालन विनयचंद पावेचा ने किया।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने कई ग्राहक-केंद्रित डिजिटल पहल शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 11 जुलाई को इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) के केंद्रीय कार्यालय में कई ग्राहक-केंद्रित डिजिटल पहलों का शुभारंभ वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव आईएएस एम नागराजू ने किया। यह कार्यक्रम इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रबंध निदेशक व सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव, बैंक के कार्यपालक निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। यह पहल ग्राहक अनुभव को बढ़ाने, डिजिटल जुड़ाव को बढ़ावा देने और पूरे भारत में समावेशी बैंकिंग सेवाओं को बढ़ाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

यह ग्राहकों के लिए अपनी सेवा अनुभव को तुरंत साझा करने हेतु एक सहज और सुलभ मंच है। किसी भी प्रतिकूल प्रतिक्रिया पर वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जाता है ताकि त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। शाखाओं या कर्मचारियों द्वारा कम सेवा रेटिंग को दूर करने के लिए एक एस्केलेशन मैट्रिक्स मौजूद है। इस प्रणाली की निगरानी केंद्रीय कार्यालय के ग्राहक सेवा विभाग द्वारा केंद्रीय रूप से की जाती है। सकारात्मक प्रतिक्रिया का उपयोग उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित और प्रोत्साहित करने के लिए भी किया जाता है।

पुन: केवाईसी प्रक्रिया को आसान और अधिक समावेशी बनाने के लिए, आइओबी के कारोबार प्रतिनिधि आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके ग्राहकों के घर पर ही सहायता प्रदान करेंगे। इसके अलावा, ग्राहक एसएमएस, ईमेल, बैंक की वेबसाइट और एटीएम के माध्यम से भी अपना केवाईसी अपडेट कर सकते हैं।।

लॉन्च के अवसर पर संबोधित करते हुएनागराजू ने व्हाट्सऐप बैंकिंग और बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से पुन: केवाईसी के शुरुआत की सराहना की और कहा कि इन पहलों से ग्राहक सेवा और इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के समग्र प्रदर्शन में सुधार होगा। उन्होंने दीर्घकालिक योजना के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, बैंक को 2047 के लिए एक दृष्टिकोण रखना होगा, जो भारत की विकास आकांक्षाओं के अनुरूप हो, ताकि वह अपने ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को नवाचार और ईमानदारी के साथ पूरा करता रहे।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के साथ अपने डिजिटल फुटप्रिंट को मजबूत करना जारी रखेगा, तथा भारत सरकार के डिजिटल रूप से सशक्त अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण में सक्रिय रूप से योगदान देगा।

मन को विशुद्ध और आशावादी बनाती है भगवान की स्तुति : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में ओजस्वी वक्ता पूज्य श्री कपिल मुनिजी म.सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ, गोपालपुरम-चेन्नई के तत्वावधान में रविवार को तक सर्व सिद्धि प्रदायक श्री भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान व रविवारीय विशेष प्रवचन का आयोजन किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के निर्देशन में जप आराधना का लाभ लिया। इस मौके पर कपिल मुनिजी म.सा. ने कहा कि संसार मे चारों तरफ शक्ति का ही बोलबाला

है। पूजा व्यक्ति की नहीं शक्ति की होती है शक्तिहीन व्यक्ति की पूजा तो क्या पहचान भी नहीं होती है यह जप अनुष्ठान का आयोजन शक्तिशाली बनने की दिशा में एक सार्थक पुरुषार्थ है। जप साधना में पुरुषार्थ के माध्यम से जीवन पथ को आलोकित करने में मदद प्राप्त होती है। मुनि श्री ने आगे कहा कि जप साधना के प्रति अविचल आस्था और निरंतरता ही हमारे भीतर उस शक्ति केंद्र का निर्माण करती है जिसके सहारे हम अपनी साधना को क्रियावान और प्राणवान बना पाते हैं। उन्होंने कहा कि विपरीत हालातों में इंसान जो कुछ भी भोगता है उससे सर्वाधिक प्रभावित उसका मन होता है। दरअसल सुख दुःख को मन ही भोगता है। मन की निराश और हताश दशा व्यक्ति को तोड़ डालती है। अरिहन्त भगवान की स्तुति का संगान मन को शुद्ध,संयमित,और आशावादी बनाने में अहम् भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

हमें हर पल परमात्मा का स्मरण रखना चाहिए : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि एक छोटा सा निमित्त मिलते ही हमारा मन भटक जाता है।हमारा मन और पांचों इंद्रियां मिलकर हमारे मन को विचलित कर देती हैं। हमें हर दैनिक क्रिया करते समय जयणा (अहिंसा) का पालन करना चाहिए। थोड़ी सी भी असावधानी रखने से अनेक जीवों की हिंसा हो सकती है। हमारे अपने अंत:करण को वश में करने के लिए हमें परमात्मा का स्मरण करना चाहिए। जो भी हमने अच्छे कार्य किए हैं उनका स्मरण सतत करना है, ताकि हमारे अंतिम समय में भी वह कार्य स्मरण में आए तब हमारे भाव अच्छे हों और अच्छे कार्य के प्रति अनुमोदना हो सके।

हमारे अंतिम समय में जैसी मति रहेगी वैसे ही हमारी आगामी भवगति मिलेगी। हमें परमात्मा से यही प्रार्थना करनी चाहिए कि हम मार्गानुसारी जीवन व्यतीत कर सकें।

करण के साथ जब स्मरण जुड़ जाता है तब हमारी आत्मा का कल्याण हो जाएगा। हम करण और स्मरण द्वारा इस भव के भी जीत सकते हैं। हमें तीन लोक के नाथ का स्मरण कभी नहीं छोड़ना है। हमें सिर्फ और सिर्फ परमात्मा की शरण को पकड़ कर रखना चाहिए। रविवार को विशेष कार्यक्रम में दादा गुरुदेव इकतीसा पर आठ टीमों के बीच रोचक क्रिज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अंधकार में ही प्रकाश की कीमत अंकित होती है : आचार्य हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के सान्निध्य में रविवार को टॉर्च लाइट लाइव डिबेट कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कई विषयों पर आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं के सटीक समाधान दिए। क्या मंदिर में भगवान है? क्या पत्थर को पूजने से प्रभु मिलेंगे? क्या मंदिर में दूध, मस्जिद में चादर, चर्च में कैंडल अर्पण करना उचित है या गरीब को देना सही है। इन ज्वलंत मुद्दों पर बहस का जबाब देते हुए आचार्यश्री ने समाधान दिए।

आचार्यश्री ने कहा सूर्य के

प्रकाश में टॉर्च लाइट उपयोग में नहीं आती। उसके लिए चाहिए अंधकार। अंधकार में ही प्रकाश की कीमत अंकित होती है। आप और हम पहले नास्तिक के तर्क को सुने तो अज्ञान के अंधकार की ओर ही जाएंगे। फिर सद्गुरु के वचनामृत रस आस्तिक तर्क़ को टॉर्च लाइट से ज्ञान का प्रकाश फैलाएंगे। जिससे हमारी श्रद्धा, आस्था पर विश्वास कायम रहे। फिर आचार्यश्री ने नास्तिकों की एक- एक दलीलों पर अपने विचार रखते हुए बौछार शुरु की। सभा ने अपनी आस्तिकता की प्रतिपक्षी अनेक जबाब दिए पर अंत: डेढ़ घंटे बाद सभा ने नास्तिकता के पाइंट ऑफ व्यू को स्वीकार किया। फिर पुनः आचार्यश्री ने उन्हीं नास्तिक विचारों को दलीलों के माध्यम से आस्तिकता के पाइंट ऑफ व्यू से ऐसे- ऐसे मजबूत तर्क खड़े किए, जिससे सभा को स्वीकारना ही पड़ा कि मंदिर में भगवान हाजरा हजूर है। इस प्रकार पक्ष-प्रतिपक्ष यानी नास्तिक बनाम आस्तिक की अनुपम डिबेट से सभा ने लॉजिक से युक्त सद्ज्ञान पाया। सभा में आए कई गणमान्यों ने डिबेट में भाग लिया। सभा का संचालन संघ ट्रस्ट के सचिव मुकेश शाह ने किया।

वेदमुथा फिर बने बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के अध्यक्ष, बंदामुथा बने सचिव

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु जैन सेवा मंडल की साधारण सभा पूर्वी प्लाजा कार्यालय में आयोजित की गई। निवर्तमान अध्यक्ष वसंत वेदमूथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

निवर्तमान सचिव प्रकाश भोजानी ने पिछली बैठक की कार्यवाही पर प्रकाश डाला। बैठक में नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। आगामी तीन वर्ष के लिए तीस सदस्यों की उपस्थिति में सर्व सहमति से फिर एक बार वसंत वेदमूथा को अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से विचार विमर्श कर उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप वेदमूथा, जयंतीलाल बालर, सचिव कीर्तिकुमार बंदामुथा, उपसचिव घेवरचंद सालेचा, कांतिलाल गांधीमुथा, कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमूथा एवं सह कोषाध्यक्ष कांतिलाल को मनोनीत किया। प्रचार-प्रचार हेतु रमेश सालेचा एवं अशोक मुथा को कार्य सौंपा गया। प्रकाश भोजानी को संयोजक बनाया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष वंसत वेदमुथा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती तकलीफों में सहायक बनने, अनाथ आश्रमों में सहयोगी बनने हेतु एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से कार्य कर संस्था सहयोग प्रदान करेंगी।

परीक्षा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित आल इंडिया में हुई जैनोलोजी परीक्षा हुई। जैनोलॉजी, जैन धर्म से जुड़े दर्शन और सिद्धांतों का अध्ययन है. जैन धर्म, श्रमण संस्कृति के प्राचीन धर्मों में से एक है. जैन धर्म के सिद्धांतों और दर्शन को समझने के लिए जैनोलॉजी विषय पढ़ाया जाता है! आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित जैनोलोजी कोर्स की परीक्षा रविवार को को 170 केन्द्रो में आयोजित की गयी।

संत नहीं बन सकते तो कम से कम शांत अवश्य बनें : संतश्री वरुणमुनि

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि यदि आप संत नहीं बन सकते तो कम से कम शांत अवश्य बनें। जिस प्रकार सूर्य की कोई प्रशंसा करे या निंदा, सूर्य उससे अप्रभावित रहता है, उसी प्रकार क्रोध या आवेश आने पर मौन रहने या मन को शांत रखने से हम उसके दूरगामी दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि जैसे शर्ट का पहला बटन यदि गलत लग जाए तो बाकी के सारे बटन गलत ही लगेंगे। वैसे ही यदि आध्यात्म में हमारा पहला कदम गलत हो जाए तो हम अपनी राह से भटक सकते हैं और यदि पहला कदम सही रखें तो हम मुक्ति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। यह पहला कदम है सम्यक दर्शन। सम्यक

दर्शन के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए सबसे सीधा और सरल मार्ग है भक्ति का मार्ग । जहां सदज्ञान हमें सन्मार्ग दिखाता है, वहीं अहंकार हमें पतन के मार्ग की ओर ले जाता है। जहां समर्पण का भाव जगता है, वहां विनय का भाव स्वत: ही जागृत हो जाता है। अभिमानी व्यक्ति के समक्ष चाहे कितनी ही अच्छी बात कही जाए किंतु उसके जीवन में किसी प्रकार का रूपांतरण नहीं होता। श्री रूपेशमुनि जी ने मधुर भजन की प्रस्तुति दी। सभा का संचालन संघ के अध्यक्ष राजेश मेहता ने किया। अंत में उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

नेत्र जांच शिविर में 130 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज मंदिर चेन्नई के तत्वाधान में मंदिरमें तीसरी बार रविवार नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो के सहयोग और डॉक्टर अग्रवाल हॉस्पिटल के द्वारा आंखों की जांच की गई जिसमें कुल मिलकर 130 सदस्य की जांच हुई और 68 सदस्य को चश्मे वितरण किए जायेंगे और 5 सदस्यों को ऑपरेशन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक माणक चंद, दिलीप कुमार, शिवांग और और मयंक बडगुजर परिवार रहे। कार्यक्रम में वयुवक मण्डल अध्यक्ष धनराज सोलंकी का सहयोग रहा।

इस जांच शिविर में बडगुजर परिवार, लक्ष्मी नारायण सोलंकी, रंजन बाई, जगदीश प्रसाद चौहान, राकेश चौहान, सुवालाल चौहान, नरेंद्र सोलंकी, सुरेंद्र पंवार, मानमल सोलंकी, नरेश मकवाना,आदि गणमान्य उपस्थित थे।

गौसेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रविवार को अवाड़ी स्थित सन्मति गौशाला में गौमाताओ को गीरीश तलेसरा एवं नरेश संचेती के नेतृत्व में शंखेश्वर जैन मंडल,पट्टालम चेन्नई एवं सहयोगीयो द्वारा हरा चारे का लोड, सूखा घास लोड दिया गया। पवनकुमार नाहर हीराचंद रांका द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

पाकिस्तान में 'रामायण' का मंचन

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में एक पाकिस्तानी नाटक समूह रामायण का मंचन करके सुर्खियां बटोर रहा है। सप्ताहांत में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई संवर्द्धन का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए सराहना मिली है। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा।

अच्छे गुणों का श्रवण करना ही सर्वोत्तम जीवन का शुभ मार्ग : संतश्री ज्ञानमुनि

.दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को लोकेश मुनि जी ने उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि जिंदगी की डोर एक बार छूट जाए तो फिर कभी भी जुड़ नहीं सकती। जो कार्य आवश्यक है वह नहीं करना आलस्य है और जो कार्य वर्जित है वह करना प्रमाद है और हमें प्रमाण को पूर्णतः त्यागना चाहिए। जैन आगमों में उल्लेखित है कि माता-पिता और दुखियारों की सेवा सबसे उत्तम कार्य है। ज्ञानमुनि जी ने उत्तम जीवन के सद्मार्ग के बारे में बताते हुए कहा कि प्रातः उठते ही देव स्मरण, गुरु नमन, सामायिक व व्याख्यान ग्रहण कर स्वाध्याय करना, संयम नियम दान करना, इच्छा अनुसार तप करना और दूसरों से अच्छे गुणों का श्रवण करना यही सब सर्वोत्तम जीवन का शुभ मार्ग है। ज्ञानमुनिजी ने श्रमण संघीय श्री गणेशीलालजी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण वंदन करते हुए उनकी महिमा का गुणगान किया। रविवार को बड़ी संख्या में बेंगलूरु के उप नगरों से श्रद्धालु उपस्थित हुए थे। गौतमचंद नाबरिया ने गीत प्रस्तुत किया। गौतम चंद ओस्तवाल ने अपने भाव व्यक्त किए। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

'कैनवास ऑफ लव' के माध्यम से जीवन में भरा रिश्तों का रंग

बेंगलूरु/.दक्षिण भारत। शहर के जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा 'कैनवास ऑफ लव'कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चों ने मिलकर विभिन्न कला गतिविधियों में भाग लिया। श्रेया जैन के नेतृत्व में मां बच्चों की जोड़ी ने चित्रकारी की। कविता डांगरा ने उपस्थित सभी को माँ और बच्चे के बीच के रिश्ते के महत्त्व पर प्रकाश डाला और रिश्तों के बारे में बताया। इस आयोजन में प्रोजेक्ट हेड प्रीतन पोरवाल, प्रोजेक्ट कार्यकारी आर्यव मेहता, सचिव आयुषी कानूंगा, चेयरपर्सन तिष्य पोरवाल, अध्यक्षा कामना जैन आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.